संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 07 फरवरी 2024 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 37 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर को डिजिटल वेलफयेर एसो. कॉन्कलेव के कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

करीब ढाई लाख सुझाव लिए और 30 बैठकों में रायशुमारी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून
दशकों से एक बड़ा वर्ग देश में एक समान कानून लागू करने की वकालत कर रहा है। केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा वर्षों से देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का अवसर देख रही है। ऐसे में छोटे से राज्य उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू करने का बड़ा फैसला ले लिया। उसके इस फैसले पर देश और दुनिया की निगाह है। करीब ढाई लाख सुझावों और 30 बैठकों में रायशुमारी के बाद ड्राफ्ट तैयार किया गया है। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। कमेटी ने राज्य के सभी लोगों के व्यक्तिगत नागरिक मामलों को नियंत्रित करने वाले सभी प्रासंगिक कानूनों की जांच करने और मसौदा कानून या मौजूदा कानून में संशोधन की रिपोर्ट तैयार की। समिति में सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली, पूर्व मुख्य सचिव, पूर्व कुलपति और एक सामाजिक कार्यकर्ता को सदस्य बनाया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव दृष्टिपत्र जारी होने के बाद राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा की थी। उन्होंने भाजपा के सत्ता में वापसी करने के बाद सबसे पहले समान नागरिक संहिता के मामले में निर्णय लेने का एलान भी किया था। सत्ता में आने के बाद पहली ही कैबिनेट में धामी सरकार ने समान नागरिक संहिता के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का फैसला किया। इसके बाद अपर मुख्य सचिव गृह राधा रतूड़ी के आदेश पर समिति के गठन की अधिसूचना जारी कर दी। समान नागरिक संहिता के परीक्षण और इसे लागू करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन को राज्यपाल ने मंजूरी प्रदान की।

ये विशेषज्ञ हैं समिति में: समान नागरिक संहिता के परीक्षण और उसे लागू करने के लिए गठित समिति में न्यायाधीश (सेनि.) रंजना प्रकाश देसाई को अध्यक्ष बनाया गया। रंजना देसाई उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रही हैं और जम्मू और कश्मीर के लिए गठित परिसीमन आयोग की अध्यक्ष भी रही हैं।

उत्तराखंड विधानसभा में यूसीसी बिल पेश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में राज्य विधानसभा में मंगलवार को समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश किया, राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद विधेयक कानून बन जाएगा

400 धाराएं

8 कुछ कानून में बहु विवाह करने की छूट है। चूंकि हिंदू, ईसाई और पारसी के लिए दूसरा विवाह अपराध है

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में राज्य विधानसभा में मंगलवार को समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश किया। अब राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद विधेयक कानून बन जाएगा। समान नागरिक संहिता विधेयक पास होने के बाद कानून बन जाएगा।

मसौदे में 400 से ज्यादा धाराएं: इसके साथ ही देवभूमि उत्तराखंड देश में यूसीसी लागू करने वाला आजादी के बाद पहला राज्य होगा। सूत्रों के अनुसार, मसौदे में 400 से ज्यादा धाराएं हैं, जिसका लक्ष्य पारंपरिक रीति-रिवाजों से पैदा होने वाली विसंगतियों को दूर करना है।

शर्तें 10 जून 2022 को अधिसूचित की गईं: आपको बता दें कि उत्तराखंड सरकार ने मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। सरकार ने एक अधिसूचना 27 मई 2022 को जारी की गई थी और शर्तें 10 जून 2022 को अधिसूचित की गई थीं।

बहुविवाह पर लगेगी रोक: कुछ कानून में बहु विवाह करने की छूट है। चूंकि हिंदू, ईसाई और पारसी के लिए दूसरा विवाह अपराध है और सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसलिए कुछ लोग दूसरा विवाह करने के लिए धर्म बदल लेते हैं। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने के बाद बहुविवाह पर रोक लगेगी। बहुविवाह पर भी पूरी तरह से रोक लग जाएगी।

शादी के लिए कानूनी उम्र 21 साल होगी तय: विवाह की न्यूनतम उम्र कहीं तय तो कहीं तय नहीं है। एक धर्म में छोटी उम्र में भी लड़कियों की शादी हो जाती है। वे शारीरिक व मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होतीं।

'जुड़े कानूनों की जांच और संशोधन के समिति ने दिए सुझाव'

विशेषज्ञ समिति ने उत्तराखंड राज्य में रहने वाले सभी लोगों के व्यक्तिगत नागरिक मामलों को नियंत्रित करने वाले सभी प्रासंगिक कानूनों का अध्ययन व जांच की। उनमें जरूरी संशोधन पर अपनी रिपोर्ट तैयार की। समिति विवाह, तलाक, संपत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार से संबंधित लागू कानून, विरासत, गोद लेने और देखभाल और संरक्षता आदि का परीक्षण किया। चुनाव के समय संकल्प पत्र में किए वादे के अनुरूप समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था।

ढाई लाख से भी ज्यादा लोगों के सुझाव

समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए गठित समिति ने डेढ़ साल में ढाई लाख से भी ज्यादा लोगों के सुझाव, विचार लिए। रिटायर्ड जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित ड्राफ्ट कमेटी प्रदेश में हर वर्ग, हर समुदाय, हर जाति के प्रमुख हितधारकों से वार्ता कर ड्राफ्ट तैयार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य दो-दो अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगा है। धर्म, अध्यात्म एवं संस्कृति का केंद्र है। राज्य हित में उत्तराखंड में धर्मांतरण को लेकर सख्त कानून बनाया गया है।

कुपवाड़ा आतंकी मॉड्यूल का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/जम्मू
दिल्ली पुलिस ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल के एक मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि उसे भागने की कोशिश करते समय चार फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पिछले साल भारतीय सेना से रिटार्यड हुआ है।

एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस थाना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन ने एक प्रमुख साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान रियाज अहमद के रूप में हुई है। वह आतंकवादी आकाओं द्वारा नियंत्रण रेखा के पार से हथियार और गोला-बारूद प्राप्त करने में खुर्शीद अहमद राथर और गुलाम सरवर राथर के साथ साजिश रचने में शामिल था। चार फरवरी को जम्मू-कश्मीर में जांच एजेंसियों से एक विशेष जानकारी प्राप्त हुई कि करनाह का रियाज अहमद राथर हाल ही में

सफलता

8 करनाह का रियाज अहमद राथर हाल ही में भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल मामले में वांछित है

भंडाफोड़ किए गए आतंकी मॉड्यूल मामले में वांछित है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। इसमें आगे बताया गया कि सूचना थी कि रियाज अहमद फरार है और तड़के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगा।

1643 किमी. लंबी भारत-म्यांमार बॉर्डर की बाड़बंदी होगी: शाह

देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने को लेकर बड़ा एलान किया

सुरक्षा बढ़ेगी

8 बेहतर निगरानी के लिए सीमा पर एक गश्ती ट्रैक भी बनाया जाएगा। मोरेह में 10 किमी तक पहले ही बाड़ लगाई गई

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
हिंसाग्रस्त मणिपुर के हालात बिगाड़ने में विदेशी ताकतों की साजिश के दावों के बीच केंद्र सरकार ने सीमा को सुरक्षित करने को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार भारत की सीमा की बाड़ेबंदी करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश की सीमा को अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए सरकार ने पूरी 1643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला किया है। बेहतर निगरानी के लिए सीमा पर एक गश्ती ट्रैक भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमा की कुल लंबाई में से मणिपुर के मोरेह में 10 किमी तक पहले ही बाड़ लगाई जा चुकी है। इसके अलावा हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम (एचएसएस) के माध्यम से बाड़ लगाने की दो पायलट परियोजनाएं भी चलाई जा रही हैं। इसके तहत अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में प्रत्येक एक किमी की दूरी पर बाड़ लगाए जाएंगे। इसके अलावा मणिपुर में लगभग 20 किलोमीटर तक बाड़ लगाने के काम को भी मंजूरी दे दी गई है और काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

यूपीए के आर्थिक कुप्रबंधन पर केंद्र लाएगा श्वेत पत्र

नई दिल्ली: कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन पर मोदी सरकार 'श्वेत पत्र' लाने जा रही है। संसद का सत्र भी इसी वजह से एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। यूपीए सरकार के दौरान आर्थिक कुप्रबंधन पर श्वेत पत्र के माध्यम से भारत की आर्थिक बदहाली और अर्थव्यवस्था पर इसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इसमें उस समय उठाए जा सकने वाले सकारात्मक कदमों के असर के बारे में भी बात की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गोवा में विकसित भारत के तहत प्रदर्शनी का मुआयना करते हुए।

'कांग्रेस कर रही है ढोंग'

नई दिल्ली: उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को ढोंग करने की बजाय ढंग से काम करना चाहिए। लेकिन कांग्रेस पार्टी और उनके नेता राजनीतिक श्रृंगार करके यात्रा निकाल रहे हैं। जिसका फायदा तो कांग्रेस को नहीं होने वाला, बल्कि कांग्रेस पैदल ही होने वाली है। डॉक्टर शर्मा सोमवार को मीडिया से मुखातिब थे। राज्यसभा सांसद डॉक्टर दिनेश शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि विपक्ष चुनाव के समय जनता को बरगलाने के लिए राजनीतिक श्रृंगार करके पैदल यात्रा निकाल रहा है।

मुफ्ती सलमान अजहरी के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी दर्ज

निरोधक दस्ता (एटीएस) की एक टीम उन्हें अहमदाबाद लेकर आई। जिसके बाद उन्हें अहमदाबाद से जूनागढ़ ले जाया गया। प्राथमिकी में उन पर जूनागढ़ में भी भड़काऊ भाषण देकर लोगों को उकसाने का आरोप लगा था।

टीम एक्शन इंडिया/अहमदाबाद
गुजरात पुलिस ने मंगलवार को मुंबई के इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी दर्ज की। उन पर राज्य के कच्छ जिले के समख्यारी में एक धार्मिक समारोह में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अजहरी को पहली प्राथमिकी के आधार पर मुंबई से रविवार को गिरफ्तार किया गया था। गुजरात आंतकवाद

कई मुद्दों को जोड़कर सियासी मैदान में उतरेगी कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
कांग्रेस आने वाले चुनाव में कई मुद्दों को जोड़कर सियासी मैदान में उतरने की योजना बना रही है। इन मुद्दों में फिलहाल शुरूआत में कांग्रेस ने पेटीएम मामले पर सरकार को घेरा है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े नेताओं की मानें, तो कांग्रेस इसी तरह के मामलों को जोड़कर बड़ी रणनीति बनाने जा रही है। पार्टी से जुड़े रणनीतिकारों के मुताबिक राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के साथ-साथ उनके कार्यकर्ता अलग-अलग राज्यों में इन मुद्दों को लेकर जमीन पर उतरने जा रहे हैं। जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, कांग्रेस पार्टी चुनावों की रणनीति में धार देती जा रही है। पार्टी से जुड़े नेताओं के मुताबिक पेटीएम मामले पर कांग्रेस ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए आगे की बड़ी रणनीति बनाई है। कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि सिर्फ पेटीएम ही नहीं, बल्कि अदाणी मामले को लेकर भी

चुनावी मुद्दा

8 भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरीके से बड़े कॉरपोरेट घराने को लूट की छूट दी, वही उनका एक प्रमुख चुनावी मुद्दा भी है

उनकी पार्टी ने बड़ी सियासी रणनीति तैयार की है। उनका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरीके से बड़े कॉरपोरेट घराने को लूट की छूट दी, वही उनका एक प्रमुख चुनावी मुद्दा भी है।

सीएपीएफ, दिल्ली पुलिस के जवानों के राशन मनी भत्ते में हुआ इजाफा

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, खुफिया ब्यूरो और दिल्ली पुलिस के जवानों के लिए खुशी की खबर है। इन बलों/इकाई के गैर राजपत्रित लड़ाकू कर्मियों के राशन मनी भत्ते में इजाफा किया गया है। साल 2022-23 के दौरान एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक की अवधि के लिए यह भत्ता 136.43 पैसे प्रतिदिन/प्रतिव्यक्ति रहेगा। इसी तरह 2023-24 में एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक के लिए राशन मनी भत्ता 142.75 पैसे प्रतिदिन/प्रतिव्यक्ति रहेगा।

अजित गुट को चुनाव आयोग ने माना असली एनसीपी

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई
महाराष्ट्र की सियासत को लेकर बड़ा फैसला आया है। चुनाव आयोग ने अजित पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को ही असली एनसीपी करार दिया है। फैसला दिग्गज राजनेता और अजित के चाचा शरद पवार के लिए बड़ा झटका है। जानकारी के मुताबिक, छह महीने से अधिक समय तक चली 10 से अधिक सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा किया और अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' अजित पवार के पास रहेगा।

शरद पवार के पास क्या विकल्प ?: चुनाव आयोग ने अपने नए राजनीतिक गठन के लिए एक नाम का दावा करने और आयोग को तीन प्राथमिकताएं देने का एक बार का विकल्प प्रदान किया है। रियायत का उपयोग 7 फरवरी,

सियासत

8 चुनाव आयोग से शरद पवार को बड़ा झटका, भतीजे के पक्ष में आया फैसला, अजित गुट ही असली एनसीपी

2024 को दोपहर 3 बजे तक किया जा सकता है।

एनसीपी का मामला क्या है ?: बीते साल महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ, जब अजित पवार ने एनसीपी से बगावत कर दी। पार्टी में फूट के बाद एनसीपी पर अधिकार पर चाचा-भतीजे आमने-सामने आ गए। अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग में हलफनामा दायर किया। वहीं, शरद पवार खेमे ने भी चुनाव आयोग में एक कैविएट दायर कर अनुरोध किया कि पार्टी की लड़ाई के संबंध में कोई भी निर्देश पारित करने से पहले उनकी बात सुनी जाए।

सशक्त नेतृत्व | बीते 10 वर्षों में सालों से वंचित करोड़ों आम जनमानस को आजादी का असल सुख प्राप्त हुआ: शाह

मोदी सरकार ने 10 साल में 70 साल की कमियों को दूर करने का काम किया: शाह

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'सिक्योरिटी बियॉन्ड टुमॉरोः फोर्जिंग इंडियाज रेजिलिएंट फ्यूचर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के नेतृत्व ने 70 साल की सभी कमियों को समाप्त करने का काम किया है। इस मौके पर शाह ने ओआरएफ फॉरेन पॉलिसी सर्वे को भी लॉन्च किया। मोदी की दूरदर्शिता और अमित शाह की अंत्योदय की राजनीति का परिणाम है कि, बीते 10 वर्षों में सालों से वंचित करोड़ों आम जनमानस को आजादी का

असल सुख प्राप्त हुआ है। आज करोड़ों गरीबों को आवास, हर घर बिजली, हर घर नल से जल, शौचालय, मुफ्त गैस कनेक्शन के साथ-साथ 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा देने का काम किया जा रहा है। आजादी के बाद दशकों तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूर देश के विकास में रोड़ा बना हुआ था। आज अमृतकाल में मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूरों को न सिर्फ जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया जा रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव रखने का काम भी निरंतर जारी है। बीते 10 सालों में देश में राजनीतिक स्थिरता और भ्रष्टाचारमुक्त शासन को स्थापित करने का काम बखूबी किया गया है। नया भारत उपलब्धियों के नित नए आयाम को हासिल करते हुए दुनिया भर में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। आजादी के बाद सालों तक आंतरिक सुरक्षा के मामले में देश आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से ग्रसित रहा, जिसका उदाहरण है जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट।

दूरदर्शिता

8 जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट जैसे तीन हॉट-स्पॉट आज विकास की राह पर अग्रसर हैं

साल 2014 के बाद मोदी जी की जीरो टॉलरेंस की नीति और आतंकवाद को मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन समझने वाले शाह के सख़्त फैसलों की वजह से जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट जैसे तीन बड़े हॉट-स्पॉट आज विकास की राह पर अग्रसर हैं।

यूसीसी ड्राफ्ट में हर धर्म में शादी और तलाक के लिए एक ही कानून

यूसीसी ड्राफ्ट

8 खान-पान, पूजा-इबादत, वेश-भूषा पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव, धार्मिक मान्यताओं और रीति-रिवाज पर कोई असर नहीं

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की धामी सरकार ने विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान अपने किये चुनावी वादा के तहत मंगलवार को विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) ड्राफ्ट को विधानसभा के पटल पर रखा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हाथ में संविधान की कापी लेकर विधानसभा पहुंचे। यूसीसी ड्राफ्ट में हर धर्म में शादी और तलाक के लिए एक ही कानून, बहु विवाह पर रोक जैसे कई अहम बिन्दु शामिल हैं।
वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जनता से किए गए प्रमुख वादों में यूसीसी पर अधिनियम बनाकर उसे प्रदेश में लागू करना भी शामिल था। इसी के तहत उत्तराखंड राज्य में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज करने का इतिहास रचने के बाद भाजपा ने मार्च 2022 में सरकार गठन के तत्काल बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन को मंजूरी दी थी। यूसीसी के ड्राफ्ट के अनुसार ये कई अहम बिन्दु शामिल हैं। इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं।
झ सभी धर्मों में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल होगी।
8 पुरुष-महिला को तलाक देने के लिए समान अधिकार।
8 लिव इन रिलेशनशिप डिक्लेयर करना जरूरी।
8 लिव इन रजिस्ट्रेशन नहीं कराने पर 6 माह की सजा।
8 लिव-इन में पैदा बच्चों को संपत्ति में समान अधिकार।
8 महिला के दोबारा विवाह में कोई शर्त नहीं।
8 अनुसूचित जनजाति दायरे से बाहर।
8 बहु विवाह पर रोक, पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी नहीं।
8 शादी का रजिस्ट्रेशन जरूरी, बिना रजिस्ट्रेशन सुविधा नहीं।
8 उत्तराधिकार में लड़कियों को बराबर का हक।
यूसीसी लागू तो क्या होगा ?
8 हर धर्म में शादी, तलाक के लिए एक ही कानून।
8 जो कानून हिन्दुओं के लिए, वही दूसरों के लिए भी।
8 बिना तलाक एक से ज्यादा शादी नहीं कर पाएंगे।
8 मुसलमानों को 4 शादी करने की छूट नहीं रहेगी।
यूसीसी से क्या नहीं बदलेगा ?
8 धार्मिक मान्यताओं पर कोई फर्क नहीं।
8 धार्मिक रीति-रिवाज पर असर नहीं।
8 ऐसा नहीं है कि शादी पंडित या मौलवी नहीं कराएंगे।
8 खान-पान, पूजा-इबादत, वेश-भूषा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यूसीसी को लेकर अलर्ट, पुलिस फोर्स के साथ मौके पर एसएसपी तैनात

सुरक्षा व्यवस्था

8 समुदाय विशेष वाले क्षेत्रों में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है ताकि किसी भी तरीके की अप्रिय घटना ना हो सके

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
विधानसभा सत्र में आज यूसीसी बिल को सदन के पटल पर रखा गया है। ऐसे में पूरे राज्य भर में सभी संवेदनशील जगहों पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। हल्द्वानी में भी समुदाय विशेष वाले क्षेत्रों में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है ताकि किसी भी तरीके की अप्रिय घटना ना हो सके, बनभूलपुरा से लेकर जवाहर नगर तक लगातार फोर्स का मूवमेंट हो रहा है।
एसएसपी प्रहलाद मीणा खुद मौका मुआयना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गयी है यूसीसी बिल के विधानसभा में आने के बाद से लेकर विधानसभा सत्र तक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है ताकि कोई भी अप्रिय घटना ना हो सके।
साथ ही सोशल मीडिया पर भी पुलिस अपनी नजर बनाए हुए हैं और लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की जा रही है।

बिना बताए घर से गई तीन नाबालिगों को पुलिस ने किया बरामद, परिजनों के सुपुर्द

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने बिना बताए घर से निकली तीन नाबालिगों को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।
बीते रोज रायसी पुलिस चौकी को ग्राम प्रतापपुर, कोतवाली लक्सर क्षेत्र की तीन नाबालिग लड़कियां बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। सूचना पर पुलिस नाबालिगों की खोज में लग गई। पुलिस ने नाबालिगों के घरों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। पुलिस ने तीनों नाबालिगों को बहादराबाद ब्रह्मपुर हरिद्वार क्षेत्र से तीनों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। नाबालिगों के सकुशल बरामद होने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

धूप खिली, पाला भी पड़ा और वाहन फिसले

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
दो दिनों की मौसम की दुश्वारियों के बाद मंगलवार को सरोवर नगरी नैनीताल में अच्छी धूप खिली।
लेकिन रात्रि में आसमान के साफ होने की वजह से इतना अधिक पाला पड़ा कि सुबह लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। कई लोगों पर जरा सी भी असावधानी भारी पड़ी और लोग पहाड़ी ढलानों के रास्तों पर फिसलकर चोटिल हुए।
सड़कों पर वाहन भी फिसलते रहे। खासकर नगर के बारापत्थर व अयारपाटा क्षेत्र में धूप के बाद भी कई घंटों तक जबर्दस्त पाला जमा रहा। यहां बारापत्थर से सूखाताल तक करीब 2 किलोमीटर मार्ग पार करने में वाहनों को आधे घंटे से अधिक का समय लगा। ऐसे में यहां सड़क पर पूर्व की तरह नमक का छिड़काव करने की आवश्यकता जतायी जा रही है। वहीं ठंड से नालियों में या खुले में रहा पानी बर्फ की तरह जमा रहा। डीएसए मैदान में धूप के बीच भी पानी बर्फ की स्लेटों की तरह जमा नजर आया। दोपहर तक एक बार फिर आसमान में बादल घिर आये और पहाड़ फिर से ठंड की चपेट में आ गये।

यूसीसी पर भाजपा कार्यालय में हर्ष

आभार

8 भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री समेत पूरी सरकार का आभार प्रदर्शन किया गया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड समान नागरिक संहिता कानून बिल विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत कर दिया गया। जय श्रीराम के नारों के साथ प्रस्तुत इस बिल को जल्दी लागू करने के लिए भाजपा मुख्यालय में हर्ष मनाया गया।
मंगलवार को भाजपा कार्यालय में मिठाई बांटकर हर्ष मनाया गया और मुख्यमंत्री समेत पूरी सरकार का आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यकताओं का कहना है कि यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने वाला है । इसके लिए भाजपा मुख्यालय में कार्यकताओं ने मिठाई बांटकर हर्ष जताया एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित पूरी प्रदेश सरकार का कार्यकताओं ने आभार जताया।
इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, राजेंद्र सिंह बिष्ट, मनवीर चौहान, विनोद सुयाल, रमेश मैखुरी आदि उपस्थित थे।

फरार चल रहा गौकशी का आरोपित गिरफ्तार, गाय बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने फरार चल रहे गौकशी के आरोपित को एक जिंदा गाय के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिरान कलियर थानाध्यक्ष दिलबर सिंह नेगी ने बताया कि एसआई हेमदत्त भरद्वाज टीम साथ मेहवड़ कला नहर पुल पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान नहर किनारे शराब के ठेके के पास एक व्यक्ति द्वारा गाय को बेहरहमी से मारपीट कर झाड़ियों की ओर ले जाने की सूचना मिली। बताया कि आरोपित गाय को काटने की फिराक में है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम को देखकर युवक गाय को छोड़कर भागने लगा, जिसे टीम ने पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ आरोपित ने अपना नाम सलमान पुत्र नसीम निवासी मुकर्रबपुर कलियर बताया। बताया कि यह गाय उसे रुड़की में सोलानी पुल के पास आवारा घूमते हुई मिली थी, जिसको वह काटने के लिए जंगल मे ले जा रहा था। उसने बताया कि कुछ दिन पहले मेहवड़ कला में सिचाई विभाग के गोदाम के पास के जंगल तथा रंगड़वाला व बाजुहेड़ी रोड पर भट्टे के पास में भी गौकशी की थी, लेकिन वहां पर कुछ लोगों के आने से वह छोड़कर भाग गए थे।

आरोपित

8 पुलिस पूछताछ आरोपित ने अपना नाम सलमान पुत्र नसीम निवासी मुकर्रबपुर कलियर बताया।

आरोपित सलमान काफी समय से कार्य कर रहा था और रुड़की में छिपकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक जिंदा गाय भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गौवंश संरक्षण अधिनियम व पशुक्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

हरकी पौड़ी समेत सभी घाटों, वार्डों, बाजारों में हो पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था : सुनील

यूसीसी ड्राफ्ट

8 खान-पान, पूजा-इबादत, वेश-भूषा पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव, धार्मिक मान्यताओं और रीति-रिवाज पर कोई असर नहीं

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने प्रतिनिधिमंडल के साथ नगर आयुक्त वरुण चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए हरकी पौड़ी पर मुख्य घंटाघर घाट समेत आसपास के घाटों, कई वार्डों व बाजारों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाने की मांग की।
ज्ञापन में कहा कि हरकी पौड़ी के संपूर्ण क्षेत्र को भिखारी, असामाजिक तत्व, आवारा पशुओं से मुक्त करवाया जाए। उन्होंने नगर आयुक्त को अवगत करवाते हुए बताया कि घाटों पर कुछ जगह स्ट्रीट लाइट न होने या खराब होने की वजह से रात्रि में दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। शहर के मुख्य बाजारों एवं कई वार्डों, गली-मोहल्ले रात्रि में प्रकाश की व्यवस्था से दूर हैं, क्योंकि कुछ जगह या तो लाइट खराब पड़ी हैं या कुछ जगह लाइट है ही नहीं। मुख्य बाजारों के कई पोल भी खराब पड़े हैं, जिससे आमजनता और यात्रियों को रात्रि में परेशानी होती है। इसके लिए जल्द से जल्द हरकी पौड़ी के आसपास के घाट, समुचित सभी वार्डों, गली-मोहल्लें, बाजारों में पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही भिखारियों, असामाजिक तत्वों, आवारा पशुओं से हरकी पौड़ी क्षेत्र को मुक्त करवाया जाए।
वरिष्ठ उपाध्यक्ष महानगर व्यापार मंडल एवं पूर्व पार्षद प्रीत कमल, महामंत्री नाथीराम सैनी एवं महानगर उपाध्यक्ष सुनील मनोचा ने संयुक्त रूप से कहा कि हरकी पौड़ी आस्था का केंद्र है, जहा देश-विदेश से श्रद्धालु पुण्य कार्य को आते हैं। गंगा स्नान करते हैं, लेकिन भिखारियों के रूप में फैले असामाजिक तत्व उन्हें परेशान करते हैं, जिससे हरिद्वार का नाम खराब होता है।
हरकी पौड़ी की गरिमा बनाए रखने को ऐसे असामाजिक तत्वों को और जनता, श्रद्धालुओं को चोटिल करने वाले बजारों में खुले घूमने वाले आवारा पशुओं को वहां से हटाया जाना जनहित में आवश्यक है। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मौके आर आदेश देते हुए समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया ज्ञापन सौंपने वालों में पंकज माटा, उपाध्यक्ष सोनू चौधरी, राकेश सिंह, पवन पांडे, भूदेव शर्मा, अनिल कुमार उपस्थित रहे।

इंटर कालेज की भूमि को खेल विभाग को दिए जाने का विरोध

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के राजकीय इंटर कालेज की भूमि को खेल विभाग को हस्तांतरित किये जाने का शिक्षक अभिभावक संघ और विद्यालय की प्रबंधन समिति ने इसका विरोध करते हुए जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि 15 फरवरी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो उन्हें आंदोलन के लिए विवश होना पडेगा।
अभिभावक शिक्षक संघ और प्रबंधन समिति की बैठक में अभिभावक संघ के अध्यक्ष हरीश पुरोहित ने बताया कि विद्यालय की अतिरिक्त भूमि पर खेल विभाग को हस्तांतरित किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। जबकि इस भूमि पर विद्यालय का छात्रावास बनाने के लिए पहले से ही शिक्षा विभाग की ओर से तीन करोड से अधिक की धनराशि का प्रस्ताव भेजा गया है जो स्वीकृति की प्रक्रिया में है। ऐसे में यदि यह भूमि खेल विभाग को दी जाती है तो छात्रावास नहीं बन पायेगा और दूर दराज के गांवों से आने वाले छात्रों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावक संघ की ओर से भूमि हस्तांतरित किये जाने का विरोध किया था। उनका यह भी कहना है कि पहले ही कुछ लोगों की ओर से विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। इस पर प्रशासन स्तर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और अब विद्यालय के पास जो भूमि बची हुई भी है उसे भी अन्य विभाग को दिए जाने की बात की जा रही है जो सरासर गलत है।

बंद घरों को बनाते थे निशाना, दो गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
नकबजनी की घटना को अंजाम देने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के दो सदस्यों को सिविल लाइंस रूड़की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित बंद मकान को निशाना बनाते थे। उनके पास से नकदी भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। सिविल लाइंस कोतवाली में घटना का खुलासा करते हुए एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह ने बताया 20 दिसंबर की रात अज्ञात चोरों द्वारा कमरे का ताला तोड़कर ज्वेलरी व नकदी चोरी की थी। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह कॉलोनी रुड़की निवासी धर्मेंद्र कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था।

उत्तराखंड : यूसीसी बिल में विवाह संबंधों की मजबूती की गई है जोरदार पैरवी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
स्वतंत्र भारत के इतिहास में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू करने वाला राज्य बनने से उत्तराखंड चंद कदमों की दूरी पर खड़ा है। आज विधानसभा सत्र के दौरान सदन के पटल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बिल प्रस्तुत कर दिया है। इस पर चर्चा के बाद इसे पारित किया जाना है। जिस तरह का प्रचंड संख्या बल धामी सरकार के पास है, उसमें इस बिल के पारित होने में कोई शक नहीं है। इन स्थितियों के बीच धामी सरकार के बिल का मसौदा अब सार्वजनिक हो चुका है। तमाम खूबियां इस बिल में शामिल हैं। इसकी सुंदरता इस बात में भी है कि यह भारतीय संस्कृति के अनुरूप विवाह संबंधों की मजबूती पर सबसे ज्यादा जोर देता है। इसके लिए कई ऐसे प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं, जो कि असाधारण हैं। समान नागरिक संहिता का महत्व इसलिए तो है ही कि यह राज्य में रहने वाले सभी लोगों के लिए तमाम विषयों पर एक समान कानून की बात कर रहा है। इसके अलावा विवाह जैसी पवित्र संस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए कई उपाय भी सामने रख रहा है। विवाह की उम्र हर लड़के के लिए 21 और लड़की के लिए 18 तय की जा रही है। इसके अलावा छह माह के भीतर विवाह के पंजीकरण की व्यवस्था को अनिवार्य किया जा रहा है। ऐसा न होने पर जुमार्ने की व्यवस्था की जा रही है। अहम बात बिल से जुड़ी यह है कि विवाह विच्छेद के लिए साधारण स्थिति में एक वर्ष तक याचिका ही स्वीकार नहीं की जाएगी। असाधारण स्थिति में ही इसे स्वीकार किया जाएगा। सरकार की मंशा ये ही है कि आज-कल जल्द जल्दी विवाह टूटने की जो घटनाएं सामने आ रही हैं, उन पर रोक लग सके।
विवाह संबंधों की मजबूती की राह में लिव इन रिलेशनशिप के बढ़ते चलन के कारण जो दिक्कतें पेश आ रही है, बिल में उस पर गंभीरता दिखाते हुए कई अहम उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले युगल के लिए पंजीकरण को अनिवार्य किया जा रहा है। इस तरह के संबंधों में जन्म लेने वाले बच्चे को वैध माना जाएगा। पंजीकरण से पहले यह देखा जाएगा कि युगल में कोई पहले से विवाहित तो नहीं है या फिर अवयस्क तो नहीं है।
लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले युगल में से कोई भी यदि 21 वर्ष की उम्र से छोटा होगा, तो उसके अभिभावकों को सूचित करना आवश्यक होगा। इसके अलावा, लिव इन रिलेशनशिप में एक महीने रहने के बावजूद पंजीकरण न कराने वाले के लिए तीन महीने की जेल या फिर दस हजार के जुमार्ने की व्यवस्था की जा रही है।

नैनीताल में मदरसों की जांच शुरू

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
पूरे प्रदेश में अवैध रूप से चल रहे मदरसों की जांच नैनीताल तक पहुंच गयी है। यहां एसडीएम प्रमोद कुमार नगर के तल्लीताल क्षेत्र में चल रहे मदरसे की जांच करने पहुंचे, लेकिन मदरसा बंद मिला और इसके संचालक भी वहां नहीं मिले। इससे मदरसा संदेह के घेरे में आ गया। अलबत्ता, एसडीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि पुनः 2-3 दिनों में इस मदरसे की दोबारा से जांच की जाएगी।
उन्होंने बताया कि पूरे नैनीताल तहसील में मदरसों की जांच की जा रही है। पूरी नैनीताल तहसील में केवल 3 मदरसों का पता चला है, जो कि नैनीताल नगर में ही हैं।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टैन्डर संख्या दिनांक	279- DRM-MB-23-24 Date 06.02.2024
कार्य का नाम	Cess Widening, Repair of Embankment and Strengthening of Bridge Approaches embankment including extension of Catch water drain in CN-SLM & RAC-SPC section as per latest IRPWM under ADEN/II/HRI
टैन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	29.02.2024 15.00
अनुमानित लागत	2,00,07,077.14
धरोहर राशि	2,50,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	15.02.2024
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह

टैन्डर नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 06.02.2024
पाठकों की सेवा में मुस्कान के साथ
336/24

Name change

I Bala Dutt Kabadwal S/o Bhawani Dutt R/o Bari Post- Naulakte, Distt- Almora Patawari Area- Kama, UttaraKhand-263621 , have changed my name to Bala Dutt Kandpal

तीन दिवसीय 'वसंतोत्सव' एक मार्च से

-वसंतोत्सव में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए : राज्यपाल

निर्देश

8 राज्यपाल ने इस से संबंधित समुचित व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राजभवन में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय वसंतोत्सव 01 मार्च शुभारंभ होगा। राज्यपाल ने इस आयोजन से संबंधित समुचित व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।
मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान

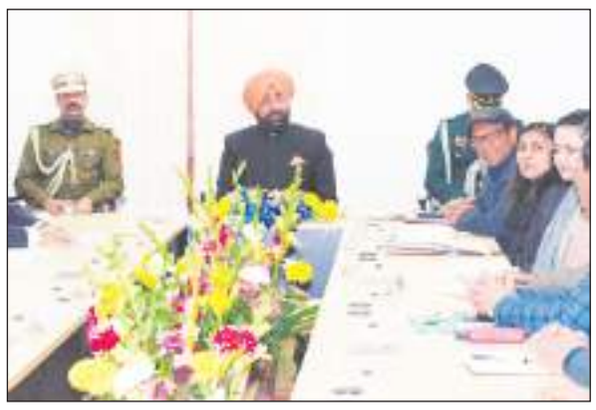

राज्यपाल ने कहा कि वसंतोत्सव को पूरे उमंग और उत्साह के साथ एक उत्सव के रूप में आयोजित किया जाये, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। यह आयोजन राजकीय न रहकर इसमें प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा दिया जाय और आम जनमानस इस आयोजन से जुड़ें।
राज्यपाल ने इस आयोजन का समुचित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वसंतोत्सव के आयोजन को लोकल से ग्लोबल तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएं। यहां के पुष्पों की प्रदेश में ही नही अपितु देशभर में मार्केटिंग की जरूरत है।
राज्यपाल ने कहा कि वसंतोत्सव के माध्यम से उत्तराखंड में फ्लोरीकल्चर को बढ़ावा दिया जाए। पुष्प प्रदर्शनी को व्यवसायिक गतिविधियों से जोड़ा जाना आवश्यक है। यह आयोजन राज्य के दूर-दराज के पुष्पोत्पादन, जड़ी-बूटी, सगन्ध पौधों तथा अन्य जैविक उत्पादों की व्यावसायिक खेती से जुड़े काश्तकारों व उत्पादकों के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित होना चाहिए।
राज्यपाल ने निर्देश दिए कि वसंतोत्सव में आईएचएम व जीएमवीएन के साथ ही राज्य की महिला स्वयं सहायता समूहों के सौजन्य से फूड कोर्ट स्थापित किए जाएं, जिसमें मुख्य रूप से हमारे पारंपरिक मोटे अनाज ह्यह्यमिलेटह्लह्ल को वरीयता दी जाए।
उन्होंने कहा कि वसंतोत्सव के माध्यम से विशेष रूप से शहद उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा।राज्यपाल ने कहा कि पुष्पोत्पादन और कृषि गतिविधियों पर आधारित लगने वाले स्टॉल में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी हो और उन्हें स्टॉल लगाने के वरीयता दी जाय।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि पुष्प प्रदर्शनी में 15 विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं।

तीर्थनगरी में रोहिग्याओं की भरमार, करवाया जा रहा धर्मान्तरणः संजय गुप्ता

खुलासा

8 जनपद हरिद्वार में बांग्लादेशी घुसपैठिया रोहिंग्या बड़ी तादात में निवास कर रहे हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भाजपा के पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता संजय गुप्ता ने जनपद हरिद्वार में बड़े पैमाने पर धर्मान्तरण का सनसनी खेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि इतना सब होने के बाद भी प्रशासन इस समस्या से बेखबर है।
पत्रकारों से वार्ता में संजय गुप्ता ने कहा कि जनपद हरिद्वार में बांग्लादेशी घुसपैठिया रोहिंग्या बड़ी तादात में निवास कर रहे हैं। ये लोग अपनी पहचान छिपाकर रह रहे हैं। ऐसे असामाजिक तत्वों की पहचान के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए।
उन्होंने कहाकि तीर्थनगरी हरिद्वार में महामना मदन मोहन मालवीय का जो समझौता अंग्रेजों के साथ हुआ था, उसका अक्षरश पालन प्रशासन को करवाना चाहिए।
उन्होंने कनखल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मान्तरण कराए जाने का भी सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों और देहात के गरीब लोगों का जबरन ईसाई मिशनरियां धर्मान्तरण करवाने का कार्य कर रही हैं। बावजूद इसके प्रशासन इन सबसे अनभिज्ञ है। उन्होंने कहा कि तीर्थनगरी में इस प्रकार की गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एचडीएफसी स्काई से जनवरी 2024 में 1 लाख से ज्यादा ग्राहक जुड़े

देहरादून। अग्रणी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज प्रदाता, एचडीएफसी सिक्योरिटीज के फ्लैट प्राइसिंग इक्विटी ब्रोकिंग ऐप ने घोषणा करके बताया कि इससे जनवरी 2024 में 1 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े चुके हैं। सितंबर 2023 में लॉन्च हुए इस फ्लैट प्राइस ब्रोकिंग ऐप के पास वर्तमान में 3 लाख से अधिक ग्राहक हैं। एचडीएफसी स्काई निवेश की हर जरूरत - इक्विटी, म्यूचल फंड, ग्लोबल इन्वेस्टिंग आदि के लिए वन-स्टॉप-शॉप प्लेटफॉर्म है भारतीय बाजारों में पिछले 4 सालों में बेहतरीन रिटर्न्स मिले हैं। इक्विटी जैसे शानदार रिटर्न हर एसेट वर्ग में नहीं मिलते। अंतरिम बजट में वित्त वर्ष 2025 के लिए 10.5प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर और 5.1प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का अनुमान है। यह व्यापक वृद्धि के लिए अच्छा संकेत है। भारत में रिटेल, एचएनआई या एफआईआई के लिए निवेश का उपयुक्त माहौल है।
इस उपलब्धि के बारे में एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर धीरज रेली ने कहा कि एचडीएफसी सिक्योरिटीज में हम अपने ग्राहकों को निवेश एवं संपत्ति निर्माण में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी अनुभवी टीम एवं अत्याधुनिक शोध के साथ निवेश के लिए एक सुगम व प्रभावशाली मंच पेश कर रहे हैं। अपनी इस उपलब्धि से हम उत्साहित हैं। यह एचडीएफसी ब्रांड में ग्राहकों का विश्वास प्रदर्शित करती है।
एचडीएफसी सिक्योरिटीज के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर और डिजिटल ऑफिसर, संदीप भारद्वाज ने कहा कि हम एचडीएफसी स्काई की अच्छी शुरूआत और बेहतरीन प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं यह विभिन्न एसेट वर्गों के लिए एक ऑल-इन-वन ऐप के साथ विस्तृत फीचर्स पेश करता है जिनमें फ्री इन-हाउस अनुसंधान और प्रतिस्पर्धी मूल्यों के साथ एक समर्पित एमटीएफ परिवेश भी शामिल है। हमारी नई फिनटेक पेशकश एक इनोवेटिव और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म है, जो हमारे बहुमूल्य ग्राहकों के निवेश के सफर में उनकी मदद करेगा। हम यूजर्स का अनुभव बेहतर बनाते हुए उनके निवेश के विकल्पों का विस्तार करते रहेंगे और निवेश को आसान बनाने के लिए टेक्नोलॉजी की शक्ति का उपयोग करेंगे।
एचडीएफसी स्काई ग्राहकों को निवेश एवं स्टॉक के मामले में परामर्श देने के लिए सबसे मजबूत स्थिति में है, और उन्हें सही निर्णय लेने में मदद करने के लिए प्रोप्राइटरी अध्ययन का लाभ प्रदान करता है। इस प्लेटफार्म पर विभिन्न सेगमेंट्स में इंट्राडे और डिलीवरी, दोनों के लिए एक सा 20 रुपये का शुल्क लगता है। यहाँ सभी ग्राहकों को अपने निवेश का दायरा बढ़ाने के लिए मार्जिन ट्रेडिंग की सुविधा भी मिलती है।
एचडीएफसी स्काई सभी निवेशकों और व्यापारियों को वित्तीय बाजारों में सुगमता से अपने वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है, फिर चाहे उन्हें इसका अनुभव पहले से रहा हो या नहीं। यह ऐप एक ही फिनटेक प्लेटफॉर्म पर भारतीय स्टॉक, ईटीएफ, म्यूचल फंड, फ्यूचर एवं ऑप्शंस, करेंसीज, कमोडिटी, आईपीओ और ग्लोबल इक्विटी सहित विभिन्न निवेश और ट्रेडिंग विकल्प उपलब्ध कराता है। एचडीएफसी स्काई का उपयोग टियर-1, 2 और 3 शहरों के उपभोक्ता करते हैं।
एचडीएफसी स्काई की सरल और पारदर्शी शुल्क संरचनाओं ने निवेशकों को लेनदेन से जुड़ी लागत को समझना आसान बना दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य कई भागों में बंटे निवेश के बाजार को समझना आसान बनाना है।

महर्षि दयानंद सरस्वती की दूरदर्शी विरासत के 200 वर्ष पूरे होने पर टंकारा में 3 दिवसीय भव्य जन्मोत्सव-स्मरणोत्सव

देहरादून। वेदों और वैदिक संस्कृति के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए भारत में सुधार आंदोलन की नींव रखने वाले आर्य समाज के संस्थापक, महर्षि दयानंद सरस्वती की इस वर्ष 200वीं जयंती मनाई जा रही है। इस खास अवसर का जश्न मनाने के लिए 10 फरवरी से 12 फरवरी 2024 तक उनके जन्मस्थल टंकारा, जिला मोरबी, गुजरात में एक भव्य उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस भव्य समारोह में लाखों आर्य समाज अनुयायियों के उत्सव में शामिल होने के लिए टंकारा आने की संभावना है। दुनिया भर से लाखों अनुयायी आर्य संदेश टीवी चौनल और आर्य समाज के अन्य सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से इस भव्य समारोह से जुड़ेंगे। आयोजन के तीसरे दिन, 12 फरवरी को, भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। महर्षि के इस स्मरणोत्सव में दुनिया के अलग अलग कोनों से दो करोड़ से ज्यादा आर्य समाज के वे सदस्य शामिल होंगे जो वैश्विक स्तर पर महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं का प्रतीक है।

स्कूटी दुर्घटना ग्रस्त, सवार की मौत

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के ग्वालदम-कुनाऊ रोड पर एक स्कूटी के दुर्घटनाग्रस्त होने से सवार को मृत्यु हो गई है। थाना प्रभारी थराली देवेंद्र पंत ने बताया कि मंगलवार को थाना थराली में मोबाइल सूचना मिली कि ग्वालदम-कुलाऊ मोटर मार्ग पर स्कूटी गिरी है।
इस पर थाना प्रभारी मय फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे तो एक स्कूटी सवार सहित सड़क से लगभग 10-15 मीटर नीचे खायी में गिरा हुआ था। स्कूटी सवार को खायी से बाहर निकाला गया, स्कूटी सवार की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो चुकी थी, जिसकी पहचान ग्वालदम निवासी 34 वर्षीय वीरेन्द्र सिंह उर्फ बिरी पुत्र के रूप में हुई है।

उत्तराखंड विस सत्र : कांग्रेस विधायकों ने प्रश्नकाल नहीं चलने पर किया विरोध प्रदर्शन

विरोध-प्रदर्शन

8 कांग्रेस विधायकों को यूसीसी ड्राफ्ट पढ़ने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए: यशपाल आर्य

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधानसभा सत्र का आज दूसरा दिन है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित कांग्रेस विधायक मंगलवार को विधानसभा परिसर के गेट पर सत्र शुभारंभ होने से पहले प्रश्नकाल और यूसीसी बिल को जल्दबाजी में लाने के विरोध में सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कांग्रेस का कहना है कि लोक महत्व के विषयों को सरकार नजर अंदाज कर रही है। डबल इंजन की तानाशाही नहीं चलेगी। इस मौके पर कांग्रेस विधायक राज्य सरकार मुदार्बाद के नारे लगाते रहे।
नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने यूसीसी ड्राफ्ट पर कहा कि बिना देखे और पढ़े कुछ कहना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों को यूसीसी ड्राफ्ट पढ़ने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उस विधेयक में क्या-क्या बिन्दु हैं और खामियां क्या हैं? हमने यूसीसी को प्रस्तुत करने को कहा है, लेकिन यह नहीं किया गया। सरकार एक ही दिन में यूसीसी बिल को पास कराना चाह रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 700 पृष्ठ का ड्राफ्ट एक दिन में कैसे पढ़ा जा सकता है?
उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल विधायकों का अधिकार है। सरकार विधायकों के अधिकार को हनन करना चाह रही है। उन्होंने कहा कि कार्य संचालन नियमावली को संख्या बल के आधार पर दरकिनार कर रही है।
वह नियमों को ताक पे रखकर सरकार सत्र का संचालन कर रही है। प्रश्नकाल चलेगा तो भाजपा सरकार की बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित असली चेहरा सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवा जनहित के विषयों का हाल बुरा है।
विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि प्रश्नकाल चलाने की मांग सरकार से की गई लेकिन सरकार भाग रही है। भू-कानून सहित अन्य विषयों पर चर्चा की आवश्यकता है यह कब होगी।
यूसीसी को जल्दी में लाने का सरकारी काम कर रही है।
विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि अनेक ज्वलंत विषयों पर विपक्ष आवाज उठाना चाहती है, लेकिन सरकार सुनना नहीं चाह रही है। सरकार पूरी तरह से तानाशाही रवैया अपना रही है। प्रश्नकाल को नहीं करा कर राज्य सरकार जनता के मुद्दों की अनदेखी कर रही है।

प्रवर समिति ने चिह्नित आंदोलनकारियों संबंधी बिल सदन में प्रस्तुत किया

समिति

8 अधिकारियों में दानिश, चंद्रमोहन , नरेंद्र सिंह रावत, लक्ष्मीकांत उनियाल और बहादुर सिंह नेगी शामिल हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रवर समिति विधानसभा ने मंगलवार को उत्तराखंड राज्य आंदोलन के चिह्नित आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण विधेयक 2023 को जिसे 8 सितम्बर 2023 को प्रवर समिति को सौंपा गया था, उसका प्रतिवेदन विधानसभा को सौंप दिया है।
इस समिति के सभापति प्रेमचंद अग्रवाल और सदस्यों में मुन्ना सिंह चौहान,विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, शहजाद, मनोज तिवारी तथा भुवनचंद कापड़ी शामिल हैं। विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों में शहंशाह मोहम्मद दिलवर दानिश, चंद्रमोहन गोस्वामी, नरेंद्र सिंह रावत, लक्ष्मीकांत उनियाल और बहादुर सिंह नेगी शामिल हैं। इस प्रतिवेदन में चिह्नित आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण विधेयक प्रवर समिति द्वारा संशोधित किया गया है। यह विधेयक 11 अगस्त 2004 के पश्चात उत्तराखंड सरकार द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों के अधीन विभिन्न राजकीय सेवाओं हेतु चयनित आंदोलनकारियों की नियुक्ति वेध मानी जाएगी।
इसमें प्रस्ताव किया गया है कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन के चिन्हित आंदोलनकारियों तथा उनके आश्रितों के संदर्भ में आरक्षण विधेयक सदन में प्रस्तुत किया गया। इस व्यवस्था के तहत उत्तराखंड राज्य की राज्याधीन सेवाओं में चयन के समय चिन्हित आंदोलनकारियों या उनके आश्रितों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। यह निर्णय समिति से लिया गया।

सवाड गांव में एक व्यक्ति पर भालू ने किया हमला, बुरी तरह घायल

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के देवाल विकास खंड के सवाड गांव निवासी एक व्यक्ति पर मंगलवार को गांव के पास भालू ने हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया है। घायल को प्राइवेट वाहन से सीएचसी थराली ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।
सवाड गांव निवासी गंगा राम 59 वर्ष पुत्र शोभन राम गांव के पास जंगल में लकड़ी लेने गया था। घर आते समय रास्ते में घात लगा कर भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले से गंगा राम के सिर, आंख, मुंह में गंभीर चोट आई है।

ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट की शुरूआत गुरुग्राम में

देहरादून। ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट का पहला संस्करण 2 फरवरी, 2024 को हॉराइजन प्लाजा गुरुग्राम में सितारों से भरी शाम के साथ आयोजित किया गया प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रिमजिम दादू ने युवा दिल की आजादी को अपनाने की ओर समर्पित चयनशील कैप्सूल कलेक्शन को प्रदर्शित करते हुए बाहरी दुनिया और आंतरिक बाधाओं दोनों से मुक्ति की भावना का जश्न मनाया शोस्टॉपर के रूप में शो का समापन करने वाली कोई और नहीं बल्कि सोनम कपूर थीं, जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व से इस शाम की शोभा को बढ़ाया।
ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट के क्यूरेटर-इन-चीफ आशीष सोनी ने कहा कि ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट भारत में फैशन अनुभवों का रोमांचक विकास प्रस्तुत करता है। यह नए दर्शकों के लिए हाई फैशन और ग्लैमरस स्टाइल की ऐसी दुनिया लाया है, जैसे कि पहले कभी नहीं किया गया। गुरुग्राम में रिमजिम दादू का प्रदर्शन मंच के युवा सार को उत्तम तरीके से दशार्ता है। हैदराबाद में अगला शो ग्लैमर के पहलू को और भी बढ़ाएगा, और भुवनेश्वर और पुणे में फैशन नेक्स्ट फेस्टिवल्स को भारत में युवा दर्शकों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
परनॉड रिकार्ड इंडिया के मुख्य मार्केटिंग अधिकारी कार्तिक मोहिंदरा ने कहा कि ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट की शुरूआत स्टाइल की दुनिया में व्यापक गेटवे बनने के हमारे विजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है गुरुग्राम में फैशन डिजाइनर रिमजिम दादू के फ्यूचरिस्टिक फैशन के अद्भुत प्रदर्शन का लॉन्च इवेंट इस नए अध्याय का सफल पहला पेज रहा है फैशन नेक्स्ट फेस्टिवल्स इस सफर को आगे बढ़ाएंगे और एक प्रभावशाली नया फॉर्मेट लाएंगे, जिससे नए शहरों में हमारे फैशन अनुभवों की विविधता लाई जाएगी, जहां उपभोक्ता ग्लोबल फैशन और लाइफस्टाइल ट्रेंड्स से प्रेरित होने के लिए तैयार हैं।ह्व
इस शो के बारे में बात करते हुए, फैशन डिजाइनर रिमजिम दादू ने कहा कि ब्लेंडर्स प्राइड ग्लासवेयर फैशन नेक्स्ट के साथ सहयोग ने मुझे कल के फैशन के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की सहूलियत दी है जिसमें ग्लैमर के साथ फ्यूचरिस्टिक स्टाइल के सार को जोड़ा गया है पारंपरिक रूप से, मैं विस्तृत ड्रेप्स और टेक्सटाइल एक्सप्लोरेशन पर ध्यान देते हुए, जटिल और पेचीदा सिल्हूट के साथ काम करती हूं। हालांकि, इस कलेक्शन के साथ मैंने स्टाइल और पहनने में आसान दृष्टिकोण पर जोर देते हुए प्रेट के लिए अपनी सिग्नेचर तकनीकों का उपयोग किया है।

विभाग की मिलीभगत से गढ़वाल में चल रहीं डग्गामार बसें

समिति

8 उत्तराखंड परिवहन निगम के खिलाफ मोटर कंपनियों के प्रतिनिधियों इस धरना प्रदर्शन में भाग लिया

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
गढ़वाल मंडल के उत्तराखंड परिवहन निगम का गढ़वाल के विभिन्न पर्वतीय क्षेत्र के मार्ग पर बिना परमिट के बसों का संचालन किए जाने के विरोध में उत्तराखंड परिवहन सें जुड़ी सभी संस्थाओं ने उक्त व्यवस्था के खिलाफ मंगलवार को नटराज चौक पर जमकर प्रदर्शन करते हुए अपना विरोध प्रकट किया। उत्तराखंड परिवहन निगम के खिलाफ विभिन्न मोटर कंपनियों के प्रतिनिधियों इस धरना प्रदर्शन में भाग लिया।
इस अवसर पर टिहरी गढ़वाल गढ़वाल बस ऑपरेटर यूनियन के सचिव जितेंद्र नेगी ने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा गढ़वाल मंडल के पर्वतीय मार्ग पर बिना रोड परमिट के परिवहन निगम गढ़वाल मंडल के पर्वतीय क्षेत्र से बसों का संचालन कर रहा है, जिसमें देहरादून से घनसाली देहरादून से ही सेममुखेम और देहरादून से जोशीमठ ,पांडुकेश्वर के लिए बसें राजधानी से दून संभाग की मिलीभगत से चलाई जा रही हैं। इसकी सूचना भी संबंधीय विभाग को दी गई है, लेकिन अभी तक उसे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।
उन्होंने कहा कि संभाग के परिवहन प्राधिकरण देहरादून के किसी भी रूट पर जारी किए गए परमिट के बिना कोई भी वाहन का संचालन नहीं किया जा सकता है। यह वाहन कांटेक्ट कैरिज के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जिससे संगठन और प्राइवेट संचालन समिति के वाहनों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है।
] इससे स्थानीय चालकों की रोजी-रोटी हो गए हैं। इसको संकट से बचाने के लिए तत्काल प्रभाव से इस प्रकार के अवैध संचालन को बंद किया जाना आवश्यक है।
जितेंद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह उनका सांकेतिक प्रदर्शन और धरना था यदि 15 फरवरी तक इसको नहीं रोका गया तो संपूर्ण उत्तराखंड में चक्का जाम कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के दौरान जिले की सीमाओं पर रहेगी कड़ी चौकसी

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
लोकसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की ओर से किए जाने वाले व्यय के अनुवीक्षण कार्य के लिए नियुक्त सभी टीमों के कार्मिकों को मंगलवार को पीजी कॉलेज गोपेश्वर में प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां ने कार्मिकों को व्यय प्रेक्षक, सहायक व्यय प्रेक्षक, वीडियो निगरानी टीम, अवलोकन टीम, उड़नदस्ता, एमसीएमसी, लेखा टीम, शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष और कॉल सेंटर के संबंध में कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया। साथ ही चुनाव के दौरान जिले की सीमाओं पर कड़ी चौकसी रखे जाने के बारे में भी कहा गया।

मुख्य कोषाधिकारी ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 77 के अनुसार लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके नामांकन की तारीख से निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तारीख के मध्य किए गए सभी व्ययों का पृथक एवं सही लेखा रखना अनिवार्य है। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक उम्मीदवार के छाया प्रेक्षण रजिस्टर और साक्ष्य फोल्डर के रख-रखाव में लेखा टीमों को सहायक व्यय प्रेक्षक के मार्गदर्शन में कार्य करना होगा।लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार की व्यय सीमा 95 लाख निर्धारित है। निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के लिए जिले में वीडियो निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन, उड़न दस्ते, स्टैटिक निगरानी टीम, नियंत्रण कक्ष, एमसीएमसी, लेखा टीम, जिला अनुवीक्षण समिति और लिंकर मॉनिटरिंग टीमें गठित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक टीम के निर्वाचन दायित्वों एवं व्यय अनुवीक्षण कार्यों के बारे में जानकारी दी गई।
मुख्य कोषाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन के दौरान 50 हजार से अधिक की नगदी ले जाने पर संबंधित दस्तावेज रखना अनिवार्य होगा और 10 लाख से अधिक नकदी पाए जाने पर आयकर विभाग के नोडल अधिकारी को सूचना दी जाएगी। जब्त नकदी को कोषागार में जमा कराया जाएगा। उन्होंने निगरानी टीमों को जांच के दौरान विनम्रता पूर्वक व्यवहार करते हुए कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनता को अनावश्यक परेशान करना नहीं है, बल्कि गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकना है। उन्होंने जांच अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कन्ट्रोल रूम को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

एचडीएफसी बैंक ने स्व-रोजगार कम्युनिटी के लिए बिजनेस क्रेडिट कार्ड रेंज के लॉन्च के साथ एसएमईपेमेंट सॉल्यूशंस का विस्तार किया

देहरादून। एचडीएफसी बैंक, भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, ने आज बिजनेस मालिकों, उद्यमियों और प्रीलांसरों के लिए कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड की बिजनेस रेंज के लॉन्च के साथ अपने एसएमई पेमेंट सॉल्यूशंस के विस्तार की घोषणा की। क्रेडिट कार्ड 4 वेरिएंट्स में उपलब्ध होंगे - बिजफर्स्ट, बिजग्रो, बिजपावर और बिजब्लैक। बिजनेस क्रेडिट कार्ड रेंज 55 दिनों का बेस्ट इन क्लास ब्याज-फ्री क्रेडिट साइकिल प्रदान करती है। इसमें क्रेडिटकार्ड धारक, विभिन्न सर्विसेज के बिल, जीएसटी, आयकर, विक्रेता भुगतान, बिजनेस ट्रैवल और बिजनेस उत्पादकता उपकरण जैसे मुख्य व्यावसायिक खर्चों पर बचत करती है। यह ऑफर बैंक द्वारा पेश किए जाने वाले एसएमई पेमेंट सॉल्यूशंस के मजबूत समूह का एक हिस्सा है। एचडीएफसी बैंक का एसएमई भुगतान समाधान स्व-रोजगार करने वाले लोगों, एसएमई और एमएसएमई की विविध भुगतान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस नई बिजनेस क्रेडिट कार्ड रेंज को लॉन्च करने के मौके पर, पराग राव, कंट्री हेड-पेमेंट्स, लायबिलिटीज प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग एचडीएफसी बैंक ने कहा कि ह्यह्यएचडीएफसी बैंक में, हम स्व-रोजगार के साथ-साथ बिजनेस सेक्टर में एमएसएमई से लेकर बड़े कॉर्पोरेट तक की विविध भुगतान आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्व-रोजगार कम्युनिटी की खास जरूरतों को समझते हुए, क्रेडिट कार्ड की हमारी बिजनेस रेंज, उनकी रोजमर्रा की बिजनेसेज आवश्यकताओं का समर्थन करने में एक व्यावहारिक गेम-चेंजर बनने के लिए डिजाइन की गई है। बिजनेसेज की भुगतान और प्राप्ति, दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार, बैंक ने एक इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म पेश किया है जो विक्रेता भुगतान, उपयोगिता बिल और वैधानिक भुगतान आदि जैसे सभी भुगतानों के लिए सुविधा प्रदान करता है।

संपादकीय

रामराज्य की ओर बढ़ती उप्र की आर्थिक शक्ति

उत्तर प्रदेश अब अर्थ संपन्न राज्य है। उत्तर प्रदेश अब शक्ति संपन्न राज्य है। उत्तर प्रदेश अब युवाशक्ति से संपन्न राज्य है। उत्तर प्रदेश अब नारीशक्ति की सुरक्षा और उससे संपन्न राज्य है। उत्तर प्रदेश अब रामराज की ओर अपने कदम तेजी से बढ़ा चुका है। उत्तर प्रदेश अब धर्मसंपन्न ऐसा राज्य है जिसकी सनातन शक्ति प्रज्ज्वलित होकर भारत को सशक्त कर रही है और विश्व को कल्यानपथ की और ले कर चलने की शक्ति हासिल हो चुकी है। श्रीअयोध्या जी में श्रीराम मंदिर की भव्य प्राणप्रतिष्ठा के बाद अब समग्र प्रदेश ही भव्य, दिव्य और नव्य हो चुका है। युवा संन्यासी की शक्ति और नेतृत्व में,योगी आदित्यनाथ सरकार ने आज उत्तर प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत कर लोकमंगल के सभी द्वार खोल दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को अपने कृतित्व से साकार करते योगी आदित्यनाथ ने इतिहास रचा है। संभवतः इसीलिए जब वह आज मीडिया से बात कर रहे थे तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह बजट प्रभु राम के लिए, उन्हीं की कृपा से उन्हीं की सेवा में प्रस्तुत है। उत्तर प्रदेश में अब तक जनता पर कोई नया कर थोपे बगैर, 7.36 लाख करोड़ का बजट कभी भी नही प्रस्तुत हुआ। कभी किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि महज 6 वर्ष की यात्रा में यह बीमार प्रदेश इस तेजी से अर्थ संपन्न होकर सर्वाधिक तेजी से विकसित होने वाला प्रदेश बनेगा और वन ट्रिलियन इकोनोमी की छलांग लगाने की दिशा में कदम रख पाएगा। योगी सरकार का लोक मंगल का यह बजट अब प्रमाणित कर रहा है कि श्री अयोध्या जी में केवल हमने एक मंदिर ही बनाया है बल्कि हमारे कर्मठ और संकल्पवान सनातन धर्मनिष्ठ नेतृत्व ने उत्तरप्रदेश को वास्तव में उस रूप में स्थापित कर दिया है जिसकी चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार बार ग्रोथ इंजन की संज्ञा देकर करते हैं। इस बजट की आर्थिक, तकनीकी बारीकियों पर अनेक अर्थशास्त्री अपने अपने विचार और विश्लेषण अवश्य प्रस्तुत करेंगे। अनेक चचाएं भी चलेंगी लेकिन इसे एक वाक्य में कहा जा सकता है कि यह लोकभावना के साथ वास्तव में लोक मंगल का ही प्रारूप है। इसको समझने केलिए भारत के सनातन आदर्श भगवान राम के समय के अर्थ शास्त्र पर थोड़ी दृष्टि डाल कर वर्तमान का आकलन करना ज्यादा उचित होगा। यह अनिवार्य है कि राज्य के संचालन और रख-रखाव में धन का उपयोग प्रचुर मात्रा में होता है। इस अर्थ के उपार्जन में शासन द्वारा लिए जाने वाले कर की आमदनी, अधीनस्थ राजाओं द्वारा दी जा रही राशि आदि का संचय राज्य के कोषागार में जमा होती रहती है। यही धन राज्य के विकास और इससे जुड़े अन्य कार्यक्रमों में खर्च होता है। इसे ही हम प्राचीन काल का बजट कह सकते हैं। रामायण काल की अयोध्या नगरी या कह लें की समूचा कोशल प्रदेश एक आदर्श राज्य था। वहां की व्यवस्थाएं लोक और राज्य के कल्याण के लिए ही बनाई गई होंगी। वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड के अंतर्गत पंचम और छठे सर्ग में दशरथ कालीन अयोध्या नगरी के वैभव का वर्णन मिलता है। अयोध्या में पाए जाने वाले अकूत धन का स्तोत्र कौन सा था उसकी एक झलक देखिए।

कांग्रेस की न्याय यात्रा के संकेत शुभ नहीं

राजेश माहेश्वरी

> वास्तव में, भारत जोड़ों न्याय यात्रा से उनकी खुन्नस इसलिए भी बढ़ी क्योंकि उसमें वामपंथी शामिल हुए। नीतीश कुमार के पाला बदल लेने के बाद ममता ही इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी नेता कही जा सकती हैं जिनका पष्चिम बंगाल के अलावा एक दो राज्यों में कुछ प्रभाव है। महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या उनके इस कदम से पार्टी पर प्रभाव पड़ सकता है। इस समय कांग्रेस इंडिया अलायंस में शामिल अन्य दलों के साथ सीट-बंटवारे की योजना पर चर्चा कर रही है। कांग्रेस को आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी दलों से ज्यादा-ज्यादा हासिल करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा। ऐसे में मिलिंद का पार्टी से अलग होना महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के साथ सीट शेयरिंग में कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर सकता है।

ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा की षुरूआत मंगल मुर्हूत में नहीं हुई। क्योंकि जैसे जैसे यात्रा आगे बढ़ रही है, कांग्रेस के लिए अषुभ खबरें ही आ रही हैं। महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ी। बिहार में नीतीष कुमार एनडीए का हिस्सा बन गए। झारखण्ड में यात्रा के पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा। ऐसे में इंडिया गठबंधन तो चुनाव मैदान में उतरने से पहले ही बिखरता और टूटता दिख रहा है। यहां तक तो गनीमत थी, हालात इस हद तक पहुंच गए हैं कि, इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दल ही कांग्रेस की राजनीतिक क्षमता और शक्ति पर सवालिया निशान लगाने लगे हैं। जनवरी के आखिर में राहुल गांधी जब बिहार में न्याय यात्रा लेकर पहुंचने वाले थे, तो इस बात की चर्चा थी कि इसमें नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। हालांकि, बिहार में राहुल की एंट्री से पहले ही नीतीश कुमार अपनी पार्टी जेडीयू संग पाला बदलते हुए एनडीए में शामिल हो गए। नीतीश भी ममता की तरह ही सीट बंटवारे में हो रही देरी की वजह से नाराज थे। राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि नीतीश इंडिया गठबंधन के संयोजक नहीं बनाए जाने से भी नाराज चल रहे थे। नीतीश के जाने के बाद बिहार में इंडिया गठबंधन की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है, जिससे उबरने में काफी वक्त लगने वाला है। भारत जोड़ों यात्रा के पष्चिम बंगाल में प्रवेष करते ही ममता बैनर्जी ने राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले लड़ने की घोषणा कर दी। वे इस बात से नाराज बताई जा रही हैं कि न्याय यात्रा के पूर्व उनके आग्रह के बावजूद भी राहुल गांधी ने उनसे फोन पर बात नहीं की। बीतों दिन ही ममता दीदी का एक बयान सामने आया जिसमें वह कह रही हैं कि कांग्रेस लोकसभा की 40 सीटें भी नहीं जीत सकेगी। उन्होंने चुनौती दी कि यदि उसमें हिम्मत है तो वह भाजपा को वाराणसी और प्रयागराज में परास्त करके दिखाए। उन्होंने ये ताना भी मारा कि वह न जाने किस अहंकार में जी रही है। हालांकि वे काफी पहले से ही राहुल और कांग्रेस को अक्षम बता चुकी थीं। विपक्षी मोर्चा बनने के बाद उन्होंने कांग्रेस से साफ कह दिया कि वे उसके लिए वही दो सीटें

छोड़ेगी जिन पर 2019 में वह जीती थी। वास्तव में, भारत जोड़ों न्याय यात्रा से उनकी खुन्नस इसलिए भी बढ़ी क्योंकि उसमें वामपंथी शामिल हुए। नीतीश कुमार के पाला बदल लेने के बाद ममता ही इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी नेता कही जा सकती हैं जिनका पष्चिम बंगाल के अलावा एक दो राज्यों में कुछ प्रभाव है। महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़ने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या उनके इस कदम से पार्टी पर प्रभाव पड़ सकता है। इस समय कांग्रेस इंडिया अलायंस में शामिल अन्य दलों के साथ सीट-बंटवारे की योजना पर चर्चा कर रही है। कांग्रेस को आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी दलों से ज्यादा-ज्यादा हासिल करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा। ऐसे में मिलिंद का पार्टी से अलग होना महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के साथ सीट शेयरिंग में कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा पार्टी राजस्थान में सचिन पायलट के विद्रोह जैसी शर्मनाक स्थितियों से बचने की कोशिश कर रही है। मिलिंद देवड़ा राज्य में कांग्रेस की रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। उनके जाने से यहां न सिर्फ कांग्रेस की स्थिति कमजोर होगी, बल्कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट मजबूत हुआ है। शिंदे गुट को एक अनुभवी राजनेता मिला है। इतना ही नहीं मिलिंद के रूप में कांग्रेस ने एक ऐसा नेता खोया है, जो अपने चुनावी ट्रैक रिकॉर्ड के हिसाब से 2024 में एक संभावित सांसद हो सकते थे। इंडिया गठबंधन के लिए ताजा मुसीबत झारखंड में पैदा हुई है। कांग्रेस और जेएमएम झारखंड में सहयोगी हैं और जेएमएम इंडिया गठबंधन का हिस्सा भी है। राहुल की यात्रा के झारखंड में आने से पहले ही हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की वजह से इंडिया गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचा है। बात अगर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की कि जाए तो वे अपने राज्य के अलावा पांडिचेरी तक ही सिमटे हैं। एनसीपी के दिग्गज शरद पवार का करिश्मा भी ढलान पर है। भतीजे अजीत की बगावत के बाद विपक्षी गठबंधन के बजाय उन्हें अपनी बेटी सुप्रिया सुले के राजनीतिक भविष्य की चिंता सताए जा रही है। कहा तो ये भी जा रहा है कि अजीत के भाजपा में जाने की योजना भी चाचा की ही तैयार की हुई थी। देर-सवेर अपनी बेटी के राजनीतिक भविष्य को सुरक्षा चक्र प्रदान करने के लिए वे भी भाजपा और पीएम मोदी के मोहपाश में फंस जाएं तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार विपक्षी गठबंधन के तमाम घटक जिस प्रकार अपनी ढपली अपना राग लेकर घूम रहे हैं वह उसके भविष्य को लेकर आशंकित कर रहा है। ममता के सभी सीटों पर लड़ने के ऐलान के बाद जब राहुल ने सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत चलने जैसी टिप्पणी करते हुए उनकी नाराजगी दूर करना चाहा तो तृणमूल नेत्री ने कांग्रेस को 40 सीटें मिलने की भविष्यवाणी कर दूध में नींबू निचोड़ दिया। महाराष्ट्र में षरद पवार और उद्धव ठाकरे भी कांग्रेस को बड़ा भाई मानने राजी नहीं हो रहे। आम आदमी पार्टी ने पंजाब के बाद हरियाणा में भी अकेले लड़ने की धौंस दिखा दी। 22 जनवरी को अयोध्या स्थित राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर समूचे देश में जो स्वतःस्फूर्त वातावरण निर्मित हुआ उसने कांग्रेस को पिछले पैरों पर धकेल दिया। उक्त आयोजन का आमंत्रण मिलने के बावजूद उसमें शामिल नहीं होने के उसके निर्णय को राजनीतिक विश्लेषक बहुत बड़ी गलती मान रहे हैं। यद्यपि षरद पवार और ममता सहित ज्यादातर विपक्षी नेता उस दिन अयोध्या नहीं गए किंतु पूरे देश में कांग्रेस जन जिस उत्साह के साथ राम नाम की माला जपते दिखे उसके बाद ये साफ हो गया कि पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता ही नहीं अपितु नेतागण भी राम मंदिर निर्माण के कारण पैदा हुई हिन्दू लहर से भयाक्रांत हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम तो खुले आम पार्टी लाइन के विरुद्ध बोलते जा रहे हैं। और तो और वे प्रधानमंत्री को अपने एक आयोजन का निमंत्रण पत्र देने उनसे भेंट तक कर आए। हैरान करने वाली बात ये है कि विपक्षी गठबंधन में आ रही दरारों को भरने की फुरसत किसी नेता को नहीं है। नीतीश कुमार इसमें सक्षम थे किंतु वे कांग्रेस के रवैये और इंडिया गठबंधन में ज्यादा भाव न मिलने के चलते भाजपा के साथी बन गए हैं। शरद पवार अपना घर ही नहीं संभल पा रहे हैं। जहां तक बात ममता की है तो उनके साथ किसी की पटरी नहीं बैठती। मल्लिकार्जुन खरगे का पूरा ध्यान न्याय यात्रा पर है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के मसलों को सुलझाने और विपक्षी एकता के लिए समय नहीं दे पा रहे हैं। देष की संसद को सर्वाधिक 80 सीटें देने वाले राज्य में अभी कांग्रेस और सपा के बीच सीटों का बंटवार अंतिम निर्णय तक पहुंच नहीं पाया है। जो हालात हैं उससे इर बीतते दिन के साथ दोनों दलों के बीच खटास और दूरियां बढ़ेंगी ही। राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का फल क्या होगा, ये तो आने वाला कल ही बताएगा। फिलवक्त कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए समय ठीक नहीं चल रहा।

-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कविता

क्या जनाब?

गजबे की अदाकारी है जनाब।
'हाँ' वाले सब सरकारी हैं जनाब।।
फाइलें कहती हैं,विकास हुआ है।
पर असल में महामारी है जनाब।।
रहजनों को कैसी चिंता ओ' फिक्र।
रहबरों से उनकी यारी है जनाब।।
मानी हुई है दाल,रोटी खा रहा हूँ।
क्या करूँ मैं,बेरोजगारी है जनाब।।
लहू पीके गरीबों का,रहबर बोला।
हक नहीं खाते,शाकाहारी हैं जनाब।।
मेहनत भूखी, निठल्ली मौज करे।
आजकल यही हुश्यारी है जनाब।।
खुद किया वादा,खुद ही तोड़ दिया।
यही सबसे बड़ी ,मक्कारी है जनाब।।
भूखो मर गया,कर रहा आत्महत्या।
ये किसकी जबाबदारी है जनाब।।
यकीन मानिए तुम्हें हलाल ही करेंगे।
तभी हो रही खातिरदारी है जनाब।।
सत्ता हितार्थ जनसेवक कहलाते हो।
असल में ये एक बीमारी है जनाब।।

कृष्ण कुमार

कौशलता विकास के बहुमूल्य योगदान

किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर आज दुनियां कोविड महामारी से लेकर वर्तमान हमास-इसराइल के बीच भयंकर युद्ध तक की चुनौतियों से घिरा हुआ है, जिसमें आर्थिक चुनौतियां, जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक अविश्वास, बढ़ती गुटबाजी, विस्तारवाद,आतंकवाद से लेकर संवेदनशीलता तक की चुनौतियों से निपटने में अधिक वक्त निकलता जा रहा है जो समय के साथ-साथ अपनी जटिलताओं से जकड़ते जा रहा है, कहीं अपना वीटो पावर तो कहीं विस्तारवाद कहीं आतंकवाद तो कहीं ज्वेलेसी की विशालता घर करते जा रही है। ऐसी सब चुनौतियों से घिरी दुनिया में अगर हम भारत को देखें तो उसकी आवाज बुलंद होती जा रही है, जिसका अंदेशा इसी से लगाया जा सकता है कि लगभग सारे पश्चिमी देशों का सकारात्मक संज्ञान लेकर भारत की ओर रुझान, भारत की ओर होते जा रहा है, तो वहीं रुस उसके अनेक समर्थन वाले देश भी भारत को पसंद करते हैं जिसका मूल कारण यह है कि भारत स्पेस प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक परिवहन स्वास्थ्य शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विदेश नीति सटीक है। चूंकि बात शिक्षा पर निकली है तो देश भर के सभी कौशल विकास संस्थाओं ने संयुक्त दीक्षांत समारोह का आयोजन नई दिल्ली में किया था जो सराहनीय कार्य था। इस सामूहिक प्रयास से चार चांद और लग गए जब माननीय पीएम ने इस दीक्षांत समारोह को वर्चुअल संबोधित किया, कौशलता विकास पूरा कर उसकी डिग्री लेने वाले छात्रों के प्रोत्साहन का ठिकाना नहीं रहा जो खुशी जोश जज्बे से लबालब होकर झूम उठे। चूंकि कौशलता विकास को प्राप्त करने मजबूत युवा शक्ति आगे आ रही है, जिससे देश केसंसाधनों से न्याय होता है। देश रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला बन रहा है, इसलिए उद्योग अनुसंधान और कौशल विकास संस्थाओं के लिए वर्तमान समय के अनुसार सामंजस्य स्थापित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए आज हम पीआईबी में उपलबध्य जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कौशलता विकास युवाओं को रोजगार देने वाला बनाने के दूरगामी परिणामों से भारत तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बननें वाला देश शीघ्र बनेगा।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा संयुक्त कौशलता विकास दीक्षांत समारोह को संबोधन करने की करें तो उन्होंने कहा भारत में कौशल विकास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकी या किसी अन्य सेवा तक सीमित नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने उल्लेख किया था कि महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किया जा रहा है। रोजमर्रा के जीवन में विश्वकमाओं के महत्व पर जोर देते हुए, पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया जो विश्वकमाओं को अपने पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक और उपकरणों के साथ जोड़ने में सक्षम बनाता है।

विचार

काश, नरेश गोयल रास्ते से न भटके होते

आर.के. सिन्हा

एक समय के विमानन की दुनिया में एयर इंडिया के बाद दूसरा स्थान रखने वाले जेट एयरवेज के फाउंडर चेयरमेन रहे नरेश गोयल की हाल ही में कुछ अखबारों में छपी एक फोटो में उनकी बेहद खराब सेहत हालत को देखकर उनके अनेकों मित्रों और करीबियों को निराश तो जरूर ही हुई होगी। नरेश गोयल आजकल मुंबई की एक जेल में विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। उन पर धोखाधड़ी के बहुत से केस चल रहे हैं। उनकी पत्नी भी बीमार है। उन्होंने मुंबई की एक अदालत में यहां तक कहा कि अब उन्हें मर ही जाना चाहिए। भारत के एविएशन सेक्टर के कभी शिखर नाम रहे नरेश गोयल की मौजूदा हालत और उनके पीछे के कारण , वास्तव में एक बड़ा सबक है , बिजनेस की दुनिया के लोगों के लिए। नरेश गोयल 1970 के दशक के अंत से लेकर 1980 के दशक में राजधानी के बंगाली मार्केट की एक बरसाती में रहते थे। उन्होंने कुछ दिनों तक मशहूर बंगाली स्वीट हाउस में नौकरी भी की थी। नरेश गोयल बंगाली मार्केट के एक घर की बरसाती में कुछ दोस्तों के साथ साझा किरायेदार के रूप में रहते थे। बंगाली मार्केट के अलावा नरेश गोयल माहबत खान रोड के सरकारी घरों में भी किराए पर रहे। वे तब दिल्ली के अंसल भवन की एक एयरलाइंस की टिकटों का बिजनेस काम करने वाली छोटी सी कंपनी में काम करते थे। वे सुबह-शाम का खाना बंगाली मार्केट के करीब रिफ्यूजी मार्केट में खा लिया करते थे। वे पंजाब के शहर संगरूर से दिल्ली आए थे। बेशक, वे नरेश गोयल के संघर्ष के दिन थे। वे दिन-रात मेहनत करते रहते थे। नरेश गोयल दिल्ली में नौकरी करने के इरादे से तो नहीं आये थे। उनके कई बड़े सपने थे। संघर्ष के दिनों में भी उनकी तमन्ना आकाश को छूने की ही रहती थी। कुछ दिनों तक बंगाली मार्केट में नौकरी करने के बाद वे पूरी तरह से एयरलाइंस की दुनिया में डूब गए। उन्होंने सबसे पहले इराक और कुवैत एयरलाइंस की टिकटों को बेचने का काम शुरू किया। नरेश गोयल का धंधा उनकी मेहनत से फौरन चमकने लगा। वे जल्द ही मोटी रकम कमाने लगे। उसी दौर में उन्होंने ईस्ट दिल्ली में एक घर भी खरीद लिया।

नरेश गोयल का काम और चमका तो वे चार्टर फ्लाइट के बिजनेस में कूद पड़े। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुडकर देखने की जरूरत नहीं समझी। नरेश गोयल अमृतसर से चार्टर फ्लाइट लेकर लंदन जाने लगे। उनका दिल्ली, अमृतसर, मुंबई और लंदन लगातार आना-जाना लगा रहता। सरकार ने जब 1991 के बाद एविएशन सेक्टर में प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआई) का रास्ता खोला, तो नरेश गोयल को लगा कि अब आकाश में उड़ने का वक्त आ गया है। वे तब मुंबई पूरी तरह से शिफ्ट हो गए। वहां पर उन्हें बिजनेस की दुनिया को करीब से जानने का मौका मिला। उसके बाद वे अपने दिल्ली के दोस्तों से दूर होते चले गए। बंगाली मार्केट कहीं बहुत पीछे छूट गई। मुंबई में उन्हें एक नया सर्किल मिल गया। वे जेआरडी टाटा के भी करीबी बन गए। उन्होंने जेट एयरवेज लांच की तो शाहरुख खान, जावेद अख्तर और यश चोपड़ा को अपनी एयरलाइंस कंपनी का डायरेक्टर बनाया।और , आज जब देश का एविएशन सेक्टर लंबी छलाँगे लगा रहा है, तब नरेश गोयल जेल में हैं। उनके जेट एयरवेज की उड़ानें 17 अप्रैल 2019 से बंद है। वे मुंबई की जेल में अपने दिल्ली के संघर्ष के दिनों के साथियों को याद तो जरूर ही करते होंगे। नरेश गोयल से कामकाज के दौरान कुछ चूक तो जरूर ही हुई है। इसलिए ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में नरेश गोयल और पांच अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है । देखा जाए तो नरेश गोयल को भी देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार ने बिजनेस की दुनिया में कूदने की प्रेरणा दी। उदय कोटक, एन.नारायणमूर्ति, नंदन नीलकेणी,शिव नाडार, नरेश गोयल समेत सैकड़ों नौजवानों को 1990 के दशक में सही ही लगा कि अब कुछ उद्यम शुरू करने का वक्त आ गया है। इंस्पेक्टर और लाइसेंस राज से मुक्ति मिल गई है। सबने बहुत छोटे स्तरों से अपना कामकाज शुरू किया। इन सबको आर्थिक उदारीकरण ने अपने जौहर दिखाने के पर्याप्त अवसर भी दिए।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

फटी एड़ियां - यह आम समस्या है: शहनाज हुसैन

पांव शरीर का आधार माने जाते हैं। पांव पर ही पूरे शरीर का भार होता है तथा पांव ही हमारे शरीर को गतिशील करते हैं। इसीलिए पांव का ख्याल अत्यंत महतवपूर्ण माना जाता है। सर्दियों में फटी एड़ियों की समस्या आम होती है तथा महिलाएं सबसे ज्यादा पीड़ित रहती हैं। मौसम में बदलाव के दौरान भीषण ठण्डी में शरीर में नमी की कमी, विटामिन की कमी, डायबटीज, थायराईड, शरीर में मोटापे तथा 60 वर्ष से ज्यादा आयु वर्ग के लोगों को फटी एड़ियों की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए यदि आपको फटी एड़ियों की समस्या से लगातार जूझना पड़ रहा है तो यह अनुवांशिक या स्वास्थय कारणों से भी हो सकता है फटी एड़ियों की समस्या सामान्यतः पाँव के प्रति लापरवाही से बढ़ जाती है। हवाई चप्पल या खुले जूतों का प्रयोग करने से भी फटी एड़ियां उभर आती हैं। पाँव की एड़ियों में गहरी दरार पड़ जाने से कई बार असहनीय पीड़ा का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके पाँव की त्वचा में अक्सर रूखापन आ जाता है तथा जब रूखापन बढ़ जाता है तो फटी एड़ियों का स्वरूप ले लेता है।
सर्दियों में ठण्डे बफीर्ले मौसम की वजह से शरीर में नमी की कमी आ जाती है जिससे पाँव में खून का बहाव प्रभावित होता है । एड़ियों की त्वचा बाकी भागों की बजाय ज्यादा सख्त होती है तथा सर्दियों में नमी की वजह से इसका लचीलाप कम हो जाता है जिससे फटी एड़ियों का स्वरूप बन जाता है।

शरीर में नमी की कमी के कारण जीवित कोशिकाएं कठोर हो जाती हैं तथा उसमें एड़ियों के भाग पर मृत कोशिकाएं बढ़ जाती हैं जोकि बाद में फटी एड़ियों का स्वरूप ले लेती हैं। लेकिन आप कुछ प्रकृतिक उपायों से इन फटी एड़ियों से छुटकारा पा सकती हैं। - अपनी त्वचा में यौवनता तथा ताजगी लाने के लिए अपने पाँव को सप्ताह में एक बार घर में फुट ट्रीटमैंट जरूर दें। पाँव को गर्म पानी में डुबोने से एड़ियों की त्वचा मुलायम होती है जिससे मृत्क कोशिकाओं को हटाने में मदद मिलती है।

पाँव तथा एड़ियों की उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए नहाने से पहले अपने पाँव में शुद्ध बादाम तेल की रोजाना मालिश कीजिए! नहाने के बाद जब पाँव गीले हों तो पाँव पर क्रीम का इस्तेमाल कीजिए जिससे पाँव पर नमी बरकरार रखने में मदद मिलेगी। फुट क्रीम से पाँव की सर्कुलर मोशन में हल्के-हल्के मालिश कीजिए तथा इससे आपके पाँव मुलायम बने रहेंगे जिससे फटी एड़ियों की समस्या नहीं आएगी।

मैं बजट बोल रहा हूँ....

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

मेरी कई बुरी आदतों में एक बुरी आदत दिन में देखी-सुनी बातों का रात में सोते सयम सपने में रिहर्सल करना होता है। चूँकि दिन भर मैंने बजट की खबरें देखी थीं, सो रात में वित्तमंत्री बन बैठा। इस खयाली पुलाव की दुनिया के बहुत बड़े टीवी चैनल के पत्रकार ने मेरा साक्षात्कार लेना आरंभ किया-

प्रः आपको बजट पेश करते समय कैसा लगा?

मैः मुझे बजट पेश करना डाइनिंग टेबल पर भोजन परोसने जैसा लगता है। अब खाने वाले मेरे अपने हैं तो वे शिकायत तो क्या चूँ करने तक की हिम्मत नहीं कर सकते। जो दिया चुपचाप खा लेते हैं। वरना वे जानते हैं कि ज्यादा नखरे दिखाने से जो मिल रहा है, वह भी नहीं मिलेगा। हाँ यह अलग बात है कि कभी सब्जी अच्छी बन गई तो सभी उसे चट करने की फिराक में रहते हैं। इसीलिए भोजन का स्वाद औसत रखता हूँ। यदि मेरी इस बात का ध्यान सभी दंपति रखें तो घर खुशहाल बना रह सकता है। कभी इनकी पसंद तो कभी उनकी पसंद का बना देने से घर हो या देश, फिर भोजन या बजट की मगजमारी नहीं रह जाती।

प्रः देश की आर्थिक व्यवस्था इतनी खराब है फिर भी आप इतना भारी बजट कैसे पेश कर पाते हैं?

मैः देखिए, घर में खाने के लाले ही क्यों न पड़े हों, लेकिन दुनिया के सामने अपनी शान पर बट्टा नहीं लगना चाहिए। इंसान पेट की भूख से कम इज्जत की भूख से ज्यादा आहत होता है। इसलिए भीतर से कितनी भी परेशानी क्यों न हो बाहर से अपनी शेरवानी का रुतबा बचाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

प्रः सरकार पर निजीकरण को बढ़ावा देने का आरोप लग रहा है। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

मैः शिशु जन्म लेने के साथ ही अपना निजी अस्तित्व प्राप्त कर लेता है। वह निजी तौर पर खुद को जीवन भर स्थापित करने का प्रयास करता रहता है। इसी तरह सरकार मां के समान होती है और उसके उपक्रम संतान की तरह। इसीलिए सभी उपक्रमों को निजी तौर पर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। तभी उनकी क्षमता बाहर निकल कर आती है।

न्यूज फ्लैश

सबसे बड़ा सुख निरोगी काया : डा. महेंद्र सिंह बागी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। राजकीय महिला महाविद्यालय बसताड़ा में प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के कुशल निर्देशन और महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मीनू आनंद के नेतृत्व में मंगलवार को स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. मोनिका गोस्वामी बीएचएमएस गोल्ड मेडलिस्ट ने छात्राओं को स्वास्थ्य शिक्षा से संबंधित व्याख्यान दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी द्वारा छात्राओं को आज के युग में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि आज के युग में स्वास्थ्य का बहुत महत्व है और हमारे जीवन में सबसे बड़ा सुख निरोगी काया है, इसलिए हमारी प्रथम आवश्यकता स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखना और खान-पान पर विशेष ध्यान रखना है । महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मीनू आनंद ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया तथा स्वास्थ्य शिक्षा को जीवन के लिए एक आवश्यकता बताते हुए छात्राओं को इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉक्टर मोनिका गोस्वामी ने छात्राओं को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने पर बल दिया, जिससे कि वह बीमारियों से मुक्त रह सके। अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य शिक्षा व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तर पर कार्य करती है। उन्होंने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तथा उसके बचाव और इलाज के तरीकों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मोनिका प्रथम, सोनम द्वितीय तथा शिवानी तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्या कमलेश रानी, वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो. नरेश सिंह, पूजा, सतीश कुमार तथा अनुराधा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही महाविद्यालय में छात्राओं को अपने मत के प्रति जागरूक करने और अपना मत बनवाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान कार्यवाहक प्राचार्या कमलेश रानी, वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो. नरेश सिंह, बीएलओ पारस शास्त्री, संदीप कुमार तथा डॉक्टर सतीश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पेडा के एनर्जी कंजर्वेशन वीक के तहत पटियाला में वर्कशॉप का आयोजन

पटियाला : पंजाब ऐनर्जी डिवपलमेंट ऐजेंसी पेडा द्वारा सोमवार से शुरू किये एनर्जी कंजर्वेशन वीक के तहत पटियाला में खालसा कालेज में कैपेस्टी बिल्डिंग ट्रेनिंग वर्कशाप का आयोजन किया गया । सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन की कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में यह वर्कशाप आयोजित कर संबंधित कार्यक्षेत्र और स्टूडेंट्स को उर्जा सरंक्षणा के प्रति जागरुक किया जा रहा है। पेडा, भारत सरकार की ईकाई ब्यूरो आफ ऐनर्जी ऐफिश्येंसी (बीईई) और मोनार्क डिजाईस स्टूडियो द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित इस वर्कशाप में उर्जा संरक्षण के लिये ईजाद की गई नित नई तकनीकों को विस्तारपूवर्क बताया गया। प्रतिनिधियों के भम्रों को भी दूर किया गया। मोनार्क डिजाईन के अमित शर्मा, इंजीनियर सुदीप टोकी, आर्किटेक्ट मुनीश शर्मा और कालेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डा रोजी सिंगला ने स्मार्ट एप्लाइंसेस, स्टार रेटेड उत्पादों, स्मार्ट हैबिट्स आदि की उपयोगिताओं पर बल दिया जिससे की उर्जा की बचत कर देश को प्रगति की राह पर लाया जा सके। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधकों ने भी छात्रों से आह्वान किया कि वे उर्जा संरक्षण पर अपना योगदान दे।

शहीद किसानों की कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता : रतनमान

जाम्बा गांव स्थित किसान भवन में बलिदान समारोह का हुआ आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जनपद के गांव जाम्बा स्थित किसान भवन में स्व. किसान नेता तेजा सिंह का बलिदान दिवस श्रद्धाभाव से मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर से किसानों ने इस कार्यक्रम में पहुंचकर शहीद किसान नेता तेजा सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। बलिदान दिवस पर आयोजित किए गए समारोह का संचालन भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने किया। बलिदान दिवस की अध्यक्षता हलका नीलोखेड़ी प्रधान धर्म सिंह मोहड़ी ने की। किसान भवन

परिसर में यज्ञ में आहुति डालकर सुख-समृद्धि की कामना की और हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। किसान नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। गौरतलब है कि सन 1994 में नागपुर में हुए किसान महाधिवेशन में जाम्बा गांव के किसान तेजा सिंह शहीद हो गए थे। उनकी याद में गांव जाम्भा में किसान भवन का निर्माण किया गया है, जहां हर वर्ष उनके बलिदान दिवस पर किसान संगठनों की तरफ से आयोजन किया जाता है। भाकियू प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि किसान नेता तेजा सिंह के बलिदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। विभिन्न किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों की शहादत की वजह से ही देश और प्रदेश में किसान आन्दोलन मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि आने वाली 16 फरवरी को ग्रामीण भारत बंद रहेगा।

इस बंद के दौरान गांव से कोई भी किसान मजदूर न तो खेत में जाएगा और न ही शहर बाजार में विरोध स्वरूप नहीं जाएगा। यह ऐलान संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से लिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली किसान आंदोलन में किए गए केंद्र सरकार द्वारा वायदों को आज तक भी पूरा नहीं किया गया है। इसलिए किसान संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर हो रहे है। उन्होंने हाल ही में यमुनानगर, अंबाला व पंचकुला जिला में हुई भारी ओलावृष्टि के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि आज तक सरकार ने किसानों की सुध नहीं ली है। ओलावृष्टि के कारण तबाह हुई फसलों पर गिरदावरी नहीं करवाई गई है, जिसको लेकर आने वाली 13 फरवरी को प्रदेश के शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुज्जर के आवास पर किसानों की महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। प्रदेश नेतृत्व से विचार विमर्श के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने करनाल जिला की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिलाध्यक्ष द्वारा जारी जिला कार्यकारिणी की सूची में कुछ बदलाव करके नये चेहरों को जोड़ते हुए 24 पदाधिकारी बनाए गए हैं। जिला कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी पूर्व महामंत्री राजबीर शर्मा एवं प्रवीण लाठर, मुकेश अरोड़ा, संजय राणा व रजनी परोचा को दी गई है। इसी प्रकार जिला कार्यकारिणी में सुनील गोयल को फिर से महामंत्री बनाए जाने के अतिरिक्त जय भगवान सीकरी को भी महामंत्री की जिम्मेवारी सोंपी गई है। कार्यकारिणी में सोहन सिंह, गुरबक्शीश लाडी, मंजू खैंची, पंकज काम्बोज, गौरव कुमार, सोनिया कश्यप को सचिव तथा कोषाध्यक्ष का महत्वपूर्ण पद बृज गुप्ता को दिया गया है।

कार्यालय सचिव का पद लेखराज गर्ग, पवन वालिया व मदन गुर्जर को देने के साथ ही मीडिया प्रमुख की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी फिर से डा. अशोक कुमार को दी गई है। उनके साथ मीडिया में सहप्रमुख संजय कालडा को बनाया गया है। कार्यकारिणी में मीडिया कोआर्डिनेटर मीनाक्षी शर्मा तथा आईटी सेल प्रमुख विकास कथुरिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख बलजिंद्र सिंह बब्बू और सह प्रमुख युद्धवीर सैनी (मित्तु) एवं अमित कुमार को बनाया गया है।

सुरेंद्र उड़ाना को मिली भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेवारी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता सुरेंद्र उड़ाना को युवा मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेवारी दी गई है। सुरेंद्र उड़ाना ने सीएम मनोहर लाल, प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी, प्रदेश प्रभारी बिपलब कुमार देब, संगठन मंत्री फनींद्र नाथ शर्मा व युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा सहित हाईकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेवारी पार्टी द्वारा उनको सौंपी गई है, वह उसको ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभाएंगे।

उन्होने कहा कि हरियाणा में अब तक के सबसे ईमानदार मुख्यमंत्री मनोहरलाल व भाजपा के सहज, सरल कर्मठ प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में भाजपा दसों सीट पर जीत दर्ज कर तीसरी बार भी नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होनें कहा कि मनोहरलाल सच्चे अर्थों में हरियाणा के लाल है, क्योंकि उन्होनें हरियाणा में जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद व वंशवाद से ऊपर उठकर समग्र विकास की गाथा लिखी है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के इतिहास की पहली सरकार है, जो भ्रष्ट अधिकारियों को जेलों मे डाल रही है। मनोहर लाल अंत्योदय की भावना से वंचितो को भी निरंतर आगे बढ़ाने में लगी है। सरकार द्वारा आमजन के लिए अनेक योजानाएं बनाई गई है, जिसका सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है।

भगवान वेंकटेश की आराधना के लिए विभिन्न क्षेत्रों से उमड़े लोग

हिसार : उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय संस्कृति में सामंजस्य स्थापित करके अध्यात्म व सामाजिक सरोकारों की अलख जगाने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालु भगवान वेंकटेश जी, माता पदमावती जी व माता गोदांबा जी के दर्शन करके अभिभूत हो गए। तिरुपति धाम का पूरा परिसर जय तिरुपति बालाजी, जय भगवान वेंकेटश, जय माता पदमावती व जय माता गोदांबा के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। भक्तों ने अपने इष्ट की आराधना करने के साथ-साथ धाम की परिक्रमा भी की। भक्तों ने श्री तिरुपति धाम में पहुंचकर श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों में भी दर्शन किए।

फॉलोअप ट्रेनिंग में अधिकारियों और सुपरवाइजरों को किया गया मोटीवेट

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिले के गांव शाहपुरा स्थित डाइट ट्रेनिंग सेंटर में जिले की सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों, सुपरवाइजरों की पांच दिवसीय प्ले स्कूल की फॉलोअप ट्रेनिंग की जा रही है, जिसमें मास्टर ट्रेनर डॉ. राजबाला, डीपीओ करनाल, डॉ. पंकज, डाइट से एवं सुपरवाइजर कंचन व सुमन लता तथा विक्रम व अरविन्द, प्रथम एनजीओ द्वारा सर्वांगीण विकास को एक्टिविटीज द्वारा सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों व सुपरवाइजरों को ट्रेनिंग दी गई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में समझाया गया।

इस ट्रेनिंग में डाइट इंचार्ज सुनीता राणा और ब्रिजेश द्वारा सभी महिला एवं बाल विकास परियोजनाओं और सुपरवाइजरों को मोटीवेट किया गया। सीएमजीजीए द्वारा ट्रेनिंग में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की गई और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन दिया। प्ले स्कूल में बच्चों की एनरोलमेंट बढ़ाने बारे मार्गदर्शन दिया गया। इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरूस्त करने का आश्वासन दिया गया।

पुलिस ने कब्र से निकाला युवक का शव, पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों ने दफनाया

परिजनों का आरोप है कि आरोपी युवक की तरफ से छोटे भाई को जान से मारने तक की धमकी दी गई, एक को तो मार दिया, दूसरे को भी मार देंगे

टीम एक्शन इंडिया/करनाल /राजकुमार प्रिंस।
जिले के मुंडोगढ़ी गांव में पुलिस ने मौत के 9 दिन बाद युवक का शव कब्र खोदकर बाहर निकाला था। डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम के उपरांत युवक के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजनों ने उसी जगह पर युवक को दफना दिया। परिजनों ने गांव के ही युवक पर हत्या के आरोप लगाए हैं।

परिजनों का यह भी आरोप है कि आरोपी युवक की तरफ से छोटे भाई को जान से मारने तक की धमकी दी गई, एक को तो मार दिया, दूसरे को भी मार देंगे। इसके चलते परिवार ने सोमवार को पुलिस को शिकायत दी। उसी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकाला था।

गांव मुंडोगढ़ी निवासी 26 वर्षीय सारिक पुत्र साकिर ट्रक ड्राइवर था। वह दिहाड़ीदार की तरह ड्राइवरी करता था। सारिक के अब्बा साकिर ने बताया है कि उसका बेटा 27 जनवरी की सुबह 11 बजे अलग-अलग जगह से अपनी दिहाड़ी की पेमेंट लेकर आया था। उसके पास करीब 40 हजार रुपए थे। जैसे ही सारिक आया तो उसकी मां ने उसे कहा कि बेटा खाना खा लो, तुम बाहर से आए हो। लेकिन इसी दौरान गांव का आरिफ पुत्र इरफान घर पर आया और उसे अपने साथ लेकर

गया। वह जल्दबाजी में उसकी बाइक पर बैठकर चला गया। साकिर ने बताया कि उसका बेटा शाम तक भी नहीं घर लौटा था। उन्होंने अंदाजा लगाया कि शायद किसी ट्रक वाले ने दिहाड़ी पर बुला लिया होगा। उन्होंने

जांच जारी

8 साकिर ने बताया कि 28 जनवरी की सुबह करीब 7 बजे उसके बेटे का शव मुंडोगढ़ी में यमुना किनारे मिला

ऐसा कभी नहीं सोचा था कि उनके बेटे के साथ इस तरह की घटना हो सकती है। साकिर ने बताया कि 28 जनवरी की सुबह करीब 7 बजे उसके बेटे का शव मुंडोगढ़ी में यमुना किनारे मिला। मेरी बहन नरूनिशा और मेरा छोटा बेटा अजीम यमुना पर पहुंचा। हमें सरपंच प्रतिनिधि सुलेमान ने बताया था कि तुम्हारा लडका यमुना घाट पर मिला है। हमें दूर-दूर तक भी अहसास नहीं था कि उसके साथ कुछ गलत हुआ है। सुलेमान ही मृत हालात में सारिक को लेकर हमारे घर पहुंचा था। उसे मृत देख पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। रो-रोकर बुरा हाल था। हमें समझ ही नहीं आ रहा था कि हम क्या करें। जब सारिक की गर्दन चेक की गई थी तो वह टूटी सी हुई थी, जिस पर उस समय ध्यान नहीं दिया गया था और शाम को शव को दफना दिया गया था। पीड़ित पिता ने बताया कि उनको अपने गांव के आरिफ पर शक था और धीरे-धीरे यह शक गहराता भी गया।

स्कूटी सीखते वक्त हुई छात्र की मौत

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

जिले में स्कूटी सीखते वक्त 10वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। काछवा-जरीफाबाद रोड पर स्कूटी चलाते वक्त गड्ढे के कारण ब्रेक लगाने से स्कूटी का टायर फिसल गया, जिससे वह सडक पर जा गिरा। उसका सिर सडक से टकराया और उसे गंभीर चोट लग गई। छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। काछवा के रहने वाले रिकू वर्मा ने बताया कि उनके 15 साल के बेटे ललित वर्मा को स्कूटी चलाने का बहुत शौक था और वह स्कूटी सीखना चाहता था। मगर टूटी सडक पर स्कूटी चलाने की वजह से हादसे का शिकार होकर उसकी मौत हो गई।

उसने बताया कि जब ललित स्कूटी चला रहा था तो सडक में गड्ढे को देखकर उसने ब्रेक लगाए तो स्कूटी का टायर फिसल गया और उसने संतुलन खो दिया। इससे वह सडक पर सिर के बल जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और परिजनों को सूचित किया।

छात्रों को करवाया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान के तहत आज आयूष विभाग के तत्वावधान में घरौंडा ब्लाक के योग सहायकों द्वारा गांव गुढ़ा के सरकारी प्राइमरी और सीनियर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया और इससे होने वाले लाभों के बारे में बताया गया।

उल्लेखनीय है कि जिला के सभी विकास खंडों में 38 योग सहायकों द्वारा सरकारी स्कूलों व योग व्यायाम शालाओं में हरियाणा योग आयोग व आयूष

विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है। यह अभियान एक फरवरी से आरंभ हुआ था और 20 फरवरी तक जारी रहेगा। आज योग सहायक सुमन संधु, विपिन ग्रोवर और राजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के 12 आसनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोजाना सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से शरीर सुडौल व सुंदर बनता है।

सीजेएम ने किया असंध उपमंडल का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव सुश्री जसबीर कौर ने मंगलवार को असंध उपमंडल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उपमंडलीय विधिक सेवा कमेटी द्वारा चलाए जा रहे मध्यस्थता केन्द्र एवं कानूनी सहायता केन्द्र का निरीक्षण भी किया।

इस उपरांत उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं और मीडिएटर्स के साथ भी बैठक की। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं एवं मीडिएटर्स के साथ अपने अनुभव सांझा करते

हुए मध्यस्थता प्रणाली को सफल बनाने हेतू प्रयासरत रहने को लेकर भी प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा कैदियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं एवं मुफ्त कानूनी सेवाओं संबंधी भी जानकारी ली।

सुश्री जसबीर कौर ने बैठक के दौरान पैन इंडिया कैम्पेन के तहत किशोरों के अधिकारों के बारे में भी विचार विमर्श किया। उन्होंने बैठक के उपरांत बताया कि जिला एडीआर सैंटर में स्थित है, जहां पर कोई भी व्यक्ति मुफ्त में कानूनी सलाह ले सकता है। इसके अलावा मुफ्त कानूनी सलाह के लिए हेल्पलाईन नम्बर 1844-2266138 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि कोई भी गरीब व्यक्ति, स्त्री, बच्चा, वरिष्ठ नागरिक, आरक्षित वर्ग, विकलांग, स्वतंत्रता सेनानी आदि को मुफ्त में कानूनी सहायता प्राप्त करने का प्रावधान है। मुफ्त में कानूनी सलाह लेने के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला एडीआर सैंटर में सपंर्क किया जा सकता है।

टैक्सटाइल फैक्टरी में लगी आग, करीब पांच करोड़ का सामान जलकर हुआ राख

आग इतनी भयानक थी कि फैक्टरी की दीवारें भी ढहनी शुरू हो गईं, फैक्टरी में चार मशीनें लगी हुई हैं

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिले के कोहंड गांव में कृष्णा टेक्सटाइल फैक्टरी में अचानक आग लग गई। आग लगने से फैक्टरी में पड़ा करोड़ों रुपए का माल धू-धू करके जल गया। आग इतनी भयानक थी कि फैक्टरी की दीवारें भी ढहनी शुरू हो गईं। फैक्टरी में चार मशीनें लगी हुई हैं। प्रत्येक मशीन की कीमत 40 से 50 लाख रुपए है। 5 से साढ़े 5 करोड़ के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

फैक्टरी के हालात देख मालिक भी बिलखते नजर आए। जिस वक्त आग लगी उस समय फैक्टरी में काम चल रहा था। आग लगने के बाद फैक्टरी में अफरा-तफरी मच गई। करीब 5 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। सुबह

जब आग लगी तो फायर ब्रिगेड को कॉल किया गया, लेकिन डेढ़ घंटे बाद फायर की गाड़ी पहुंची।

पानीपत सेक्टर 18 निवासी हिमांशु गुप्ता और अर्पित गुप्ता के नाम पर फैक्टरी है। कोहंड में करीब 4 साल से वह फैक्टरी में पॉलिस्टर फाइबर बनाने का काम कर रहे हैं। हिमांशु और अर्पित ने बताया कि उनके पास आज सुबह साढ़े 6 बजे कॉल आया था। इसके बाद वह फैक्टरी पहुंच गए थे, लेकिन जब वे पहुंचे तो आग काफी ज्यादा फैल चुकी थी और फैक्टरी धू-धू करके जल रही थी। उन्होंने बताया कि हमने फायर वालों को कॉल किया, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद फायर की गाडियां पहुंची। आग इतनी भयानक थी कि जिसे देखकर आदमी की रूह कांप जाए। पानीपत और करनाल की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और वहां पर आग बुझाने का काम शुरू किया। फैक्टरी मालिक ने बताया कि अभी एक्सपोर्ट का काम धीमा था और अब पानीपत की मंडियां खुली थीं। इसके बाद काम में तेजी आने की संभावना थी। करीब 100 टन से ज्यादा माल फैक्टरी में पड़ा हुआ था। लेकिन, सब जलकर राख हो गया है। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

हिमांशु गुप्ता ने बताया कि फैक्टरी में सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। डीवीआर मिल गया तो सीसीटीवी फुटेज को चेक किया जाएगा, ताकि आग लगने के कारणों का पता चल पाए। उन्होंने बताया कि पहले भी फैक्टरी में आग लग जाती थी, लेकिन उसे फैक्टरी में लगे हाईड्रेंट की मदद से बुझा दिया जाता था। लेकिन आज की आग इतनी भयानक थी कि इस पर काबू नहीं पाया जा सका। दमकल विभाग की 10 गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर करीब 5 घंटे बाद काबू पाया।

इआरवी 416 के इंचार्ज सत्यनारायण ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली थी। हमारी टीम मौके पर पहुंच गई थी।

टीबी को हराने के लिए जागरूकता और बचाव जरूरी

मुहैया

8 रेडक्रास की ओर से लोगों को टीबी बचाव के साथ क्षय रोगियों को दवाइयां भी मुहैया करवाई जा रही हैं

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) उपायुक्त एवं जिला रेडक्रास चेयरमैन शांतनु शर्मा के निदेर्शानुसार टीबी से बचाव को लेकर सन्निहित सरोवर के नजदीक श्रमिकों को टीबी बचाव के प्रति जागरूक किया गया। टीबी को-आर्डिनेटर अंजलि की अगुवाई में श्रमिकों को टीबी से

बचाव और इलाज को लेकर जानकारी दी गई।

जिला रेडक्रास सचिव डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि टीबी को हराने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। आमजन को टीबी को जागरूक होना होगा, यदि टीबी के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत सिविल अस्पताल में जांच कराई जाए। रेडक्रास की ओर से लोगों को टीबी बचाव के साथ क्षय रोगियों को दवाइयां भी मुहैया करवाई जा रही हैं, खासकर उन रोगियों की पहचान की जा रही है, जिनकी किसी कारणवश दवाई बीच में छूट गई है।

उम्र की सेंचुरी

लम्बे और स्वस्थ जीवन के नुस्खे

चलते रहें

यदि आप सप्ताह में तीन बार आधे घंटे की तेज सैर करना प्रारंभ कर दें, तो आप अपनी आयु को लगभग दस वर्ष बढ़ा सकते हैं। जेरेक्स जोंस ने एक शोध में 220 रिटायर होने वाले पुरुषों को दो समूहों में बांट दिया। एक समूह कोई व्यायाम नहीं करता था। दूसरे समूह को आधा घंटा तेज सैर करवाई गई। एक वर्ष पश्चात् दूसरे समूह में एरोबिक शक्ति में 12 प्रतिशत और कूल्हों की मजबूती और लचक में 10 प्रतिशत सुधार पाया गया।

वजन उठाएं

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि एरोबिक व्यायाम जैसे जॉगिंग और हृदय और फेफड़ों के कई व्यायाम बहुत लाभदायक हैं। अमरीका और डेनमार्क में हुए अन्य शोधों में पाया गया कि वजन उठाने से मांसपेशियों और हड्डियों में क्षरण को न केवल रोका जा सकता है, बल्कि सुधार भी किया जा सकता है। 50 से 60 वर्ष की रजोनिवृत्त महिलाओं ने सप्ताह में दो बार वजन उठाए, तो उनकी हड्डियों के घनत्व में 30 वर्ष की महिलाओं जैसी वृद्धि हो गई।

सिगरेट छोड़ें

यदि आप 30 वर्ष की आयु तक सिगरेट पीना बंद कर देते हैं, तो आपके आयुष्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि आपको धूम्रपान के कारण कोई बीमारी हो भी चुकी है, तो धूम्रपान छोड़ने से आपकी हालत में सुधार होगा। जिन्हें दिल का दौरा पड़ चुका है यदि वे धूम्रपान छोड़ दें तो उन्हें दोबारा दिल का दौरा पड़ने का खतरा तीस प्रतिशत कम हो जाता है।

पूरा पोषण लें

- पोषण विशेषज्ञ के अनुसार हमारे भोजन में ये चीजें होनी जरूरी हैं।
- पत्ते वाली हरी सब्जियां जैसे पालक (इसमें कैल्शियम, लौह, तत्व, फोलेट और बीटा कैरोटिन होता है)।
- शकरकंद (इसमें फोलेट, बीटा कैरोटिन, विटामिन ए, सी और रेशा होता है)।
- जामुन, फालसे, आलू बुखारा आदि (इनमें विटामिन सी, लौह तत्व और रेशा होता है)।
- बींस (इनमें लौह तत्व, रेशे वाला प्रोटीन होता है)।
- अनाज (इनमें विटामिन बी समूह के विटामिन, विटामिन ई, सेलेनियम और जिंक होता है)।
- नट्स (एक अमरीकी शोध के अनुसार सप्ताह में 5 से अधिक बार इन्हें खाने से हृदय रोग का खतरा 25 से 39 प्रतिशत तक कम हो जाता है)।

विटामिन की गोली खाएं

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा शरीर भोजन में से आवश्यक पोषक तत्व पूरी तरह नहीं खींच पाता। एक मिनरल वाली मल्टी विटामिन गोली लेने से हमें वो लाभदायक तत्व प्राप्त हो सकते हैं यद्यपि ये एक स्वाभाविक पोषक भोजन का विकल्प नहीं हो सकती। एक अमरीकी पोषण विशेषज्ञ जैफरी ब्लूमबर्ग ने मल्टी विटामिन के अतिरिक्त कैल्शियम, हड्डियों की मजबूती हेतु, विटामिन डी (आर्थराइटिस को दूर रखने हेतु) और विटामिन ई (अल्जीमर रोग दूर रखने हेतु) भी लेने की सलाह दी है।

कम वसा वाला भोजन लें

नए शोधों के अनुसार कम वसा वाला भोजन लेने से हमारी दिमागी शक्ति अधिक समय तक बरकरार रह सकती है।

पूरी नींद लें

आवश्यकता से कम नींद लेने पर शरीर थकान महसूस करता रहेगा वहीं आवश्यकता से अधिक नींद भी घातक है। अमरीका में हुए शोध के अनुसार 7 घंटे की नींद लेना सर्वोत्तम है।

दिमाग तेज करें

उम्र बढ़ने पर भी ऐसे कार्य करते रहें जिससे आपका मानसिक व्यायाम होता रहे। कोई विदेशी भाषा सीखने, कठिन पुस्तकें पढ़ने, ब्रिज खेलने या सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते रहने से आप अपने दिमाग को आयु बढ़ने के दुष्प्रभाव से बचा सकते हैं।

मंदिर जाएं

लगभग एक हजार शोधों में यह पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से मंदिर, मस्जिद या चर्च जाते हैं, वे अधिक स्वस्थ और दीर्घायु होते हैं। एक शोध के अनुसार ऐसे लोगों की आयु लगभग 7 वर्ष बढ़ जाती है।

दूसरों की सहायता करें

कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि जो लोग समाज सेवा में व्यस्त रहते हैं वे अपनी वृद्धावस्था में अधिक संतुष्ट और प्रसन्न रहते हैं।

लोगों से मिलते रहें

अमरीकी शोधकर्ता थामस ग्लास ने 65 वर्ष और उससे अधिक के लोगों का अध्ययन कर पाया कि जो लोग सामाजिक दृष्टि से सक्रिय रहते हैं उनका कोलेस्ट्रॉल और उच्च रक्तचाप कम हो जाता है।

हेल्थ प्लस

बच्चे के खेल बताएंगे ऑटिज्म

आजकल बच्चों में ऑटिज्म की समस्या तेजी से उभर रही है। ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चे अपने आपमें खोए-खोए व गुमसुम रहते हैं। इनकी हरकतें भी आम बच्चों से अलग होती हैं। तमाम कोशिशों केबाद भी आज तक इसका कोई प्रामाणिक इलाज नहीं मिल पाया है। अधिकतर बच्चों में इस बीमारी के लक्षण बचपन में पता ही नहीं चल पाते। इसी संबंध में हुए लंबे अध्ययन के बाद यह बात सामने आई कि जिन बच्चों को आगे चलकर ऑटिज्म की समस्या होती है उनका बचपन में खिलौनों से खेलने का तरीका एकदम भिन्न होता है। ये बच्चे खिलौने को आम बच्चों की तुलना में अधिक घुमाते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हर बच्चे के माता-पिता को चाहिए कि जब उनका नन्हा-मुन्ना खेले तो वे उसे गौर से देखें। इससे समय रहते या आरंभिक अवस्था में ही इस बीमारी का पता चल सकेगा।

गर्भावस्था में मोबाइल से दूर रहें

भले ही मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा हो गया हो लेकिन हालिया शोध के परिणामों से पता चला है कि गर्भावस्था के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाले बच्चे की सेहत पर खराब असर पड़ता है। इससे भ्रूण की शारीरिक और मानसिक सक्रियता प्रभावित होती है। ये समस्याएं बच्चों के हाव-भाव, व्यवहार, रिश्तों और भावनाओं से जुड़ी हो सकती हैं। यदि सात साल से पहले बच्चा मोबाइल का इस्तेमाल करने लगे तो यह खतरा और भी बढ़ जाता है। सामान्य गर्भवती स्त्रियों की तुलना में मोबाइल इस्तेमाल करने वाली स्त्रियों के बच्चे 54 प्रतिशत अधिक समस्याग्रस्त हो जाते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि गर्भावस्था में अनिवार्य होने पर ही मोबाइल का प्रयोग करें।

'श्वेत भोजन' का सावधानीपूर्वक प्रयोग करें

आज अधिकतर बीमारियों का कारण है चीनी, नमक, मैदा, दूध व नारियल। आइए जानें कि इनमें ऐसा क्या है जिसके कारण ये सभी सफेद खाद्य पदार्थ हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं :-

चीनी:-

चीनी को आज अधिकतर बीमारियों की वजह माना जाता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार जो व्यक्ति चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं, उनमें बड़ी आंत का कैंसर होने की संभावना होती है। चीनी का प्रयोग हम चाय, कॉफी, बिस्कुट, मिठाई, चाकलेट और न जाने कितने खाद्य पदार्थों में करते हैं। यही नहीं चीनी से हमें बहुत अधिक मात्रा में कैलोरीज मिलती हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है व कई रोगों की जड़ है।

नमक:-

उच्च रक्तचाप वाले रोगियों का तो नमक सबसे बड़ा दुश्मन है। भोजन में नमक भी थोड़ा प्रयोग ही उचित है।

भोजन में से नमक बिल्कुल निकाल देना तो संभव नहीं परन्तु इसकी थोड़ी मात्रा लेना व नमकीन खाद्य पदार्थ जिसमें नमक की मात्रा बहुत अधिक होती है जैसे अचार, टोमैटो सॉस, सोया सॉस को भोजन से निकालना आवश्यक है। जब भी नमक का प्रयोग करें तो आयोडाइज्ड नमक ही प्रयोग करें।

मैदा:-

मैदे का प्रयोग बिस्किट, केक, ब्रैड, पिज्जा व मिठाई आदि बनाने में किया जाता है।

मैदे में रेशे का अभाव होता है। इसे मशीनी प्रक्रिया द्वारा शुद्ध किया जाता है। अगर आप आटे व मैदे की तुलना करें तो पाएंगे कि आटा भूरे रंग लिए होता है जबकि मैदा सफेद व नरम होता है क्योंकि उसमें रेशा नहीं होता। जो लोग मैदे का अधिक सेवन करते हैं उन्हें कब्ज की शिकायत रहती है।

दूध:-

दूध, प्रोटीन, विटामिन व कैल्शियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है लेकिन दूध में वसा की मात्रा अधिक होती है इसलिए स्कीम्ड मिल्क पाउडर का प्रयोग करें या फिर दूध को अच्छी तरह उबाल लें व ठंडा होने पर उसके ऊपर आई हुई मलाई उतार लें।

नारियल:-

नारियल को वैसे तो पौष्टिक माना जाता है परन्तु इसमें वसा की मात्रा अधिक होने के कारण हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

नारियल पानी वसा रहित होता है और पोटाशियम का भी बहुत अच्छा स्त्रोत है। नारियल में संतृप्त वसा पाई जाती जो हृदय के लिए हानिकारक है इसलिए नारियल व नारियल के तेल का कम से कम सेवन करें।

भिंडी की उपयोगिता जानें

बच्चे से लेकर बड़े तक अनेक लोगों की पसंदीदा सब्जी है भिंडी। केवल स्वाद की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी उपयोगी है भिंडी। इसको खाने से आंत में फायदेमंद बैक्टीरिया की बढ़ोतरी होती है। इन्हें प्रोबायोटिक्स के नाम से जाना जाता है। ये बैक्टीरिया उसी प्रकार के हैं जैसे दही द्वारा छोटी आंत में पैदा होते हैं और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स के संश्लेषण में मदद करते हैं। साथ ही भिंडी एक बेहतरीन लैक्जेटिव भी है जो इरिटेबल बॉवेल्स में लाभ पहुंचाती है। यह अल्सर को भी ठीक करने में सहयोग करती है तथा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक की जलन को शांत करती है। भिंडी को उबाल कर ठंडा कर उसके पानी से सिर धोने से बाल मुलायम व घने नजर आएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
रुपए पैसे की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। पात्र प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनमुटाव भी पैदा हो सकते हैं। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बहते पड़े से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। बाहरी लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेगी। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी होगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1980

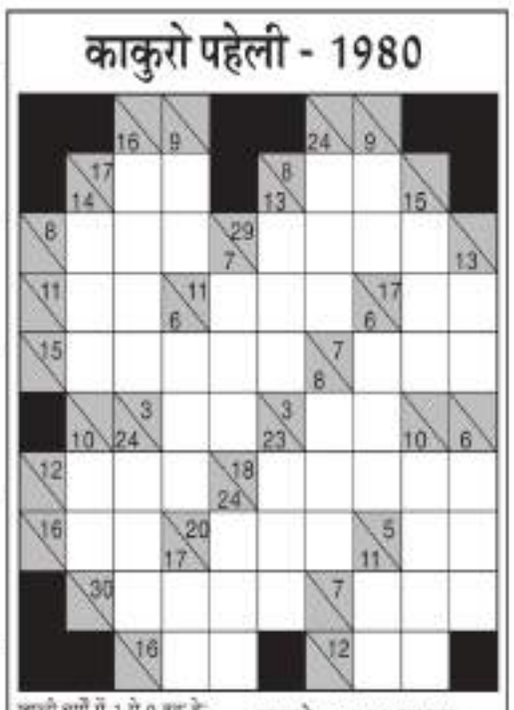

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः प्रयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

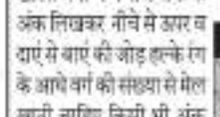

काकुरो - 1979 का हल

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?
मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.
राजेश: सर, परीक्षाफल.

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.
अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.
दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?
तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.
बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1980

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली तब्बू खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'काबुल का ये यार बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, सिम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ये बादल झूम के चल' गीत वाली सचिन निखत, अरुणा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां पे अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की हलकट, प्रियंका स्वरूप रीमेक-३
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'शर्मों को चांद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क में मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फराह की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तौ संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिल्डीपिल नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'साकन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रंग जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डफलिया रैन गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, माधवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल कहता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२६. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1979

सूडोकु -1980

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1979 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 1980

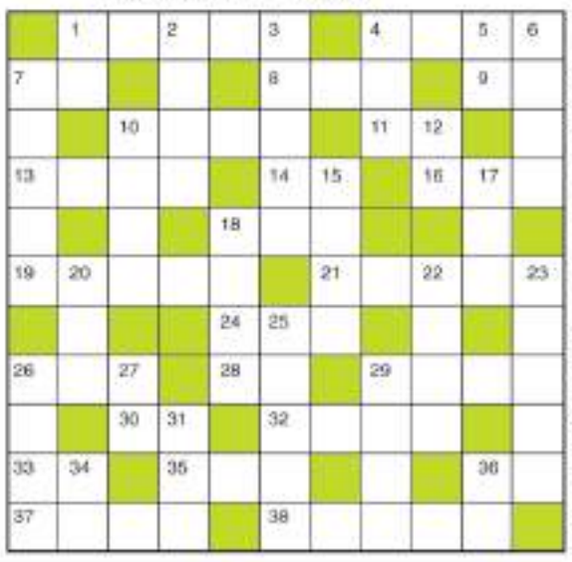

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. असगोल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. बधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छाया, सलन वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठिर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाम बताना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्लज्जशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 1979 का हल

एमएस धोनी से जुड़े केस में पूर्व IPS को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर लगाई रोक; क्या था मामला

मद्रास हाईकोर्ट ने मैच फिक्सिंग के एक कथित मामले में जांच से संबंधित कुछ सामग्री के प्रकाशन के बाद धोनी द्वारा दायर सिविल मुकदमे और अवमानना याचिका पर अपना आदेश पारित किया था।

नई दिल्ली.एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने न्यायालय की अवमानना के एक मामले में सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी जी. संपत कुमार को बड़ी राहत दी है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय की ओर से सुनाई गई 15 दिन की कैद की सजा पर सोमवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पूर्व आईपीएस अधिकारी कुमार की याचिका पर उनकी सजा पर अंतरिम रोक का आदेश पारित किया। पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने और अंतरिम राहत की गुहार वाली कुमार की याचिका पर धोनी को नोटिस जारी किया।मद्रास उच्च न्यायालय ने मैच फिक्सिंग के एक कथित मामले में जांच से संबंधित कुछ सामग्री के प्रकाशन के बाद धोनी द्वारा दायर सिविल मुकदमे और अवमानना याचिका पर अपना आदेश पारित किया था। न्यायालय ने दिसंबर 2023 में धोनी द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सेवानिवृत्त आईपीएस कुमार को 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई थी।

न्यायालय ने अपने इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए पूर्व पुलिस अधिकारी को 30 दिन का समय दिया और तब तक सजा स्थगित कर दी थी। धोनी ने शुरू में इंडियन प्रीमियर लीग सट्टेबाजी मामले में उनके खिलाफ मैच फिक्सिंग के आरोप लगाने पर 2014 में तमिलनाडु पुलिस के सीआईडी विभाग के पुलिस अधिकारी कुमार और एक टेलीविजन चैनल के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया थाधोनी ने बाद में पुलिस अधिकारी के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी, जिसमें दावा किया गया कि पुलिस अधिकारी कुमार द्वारा शीर्ष अदालत और मद्रास उच्च न्यायालय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई थी।इ कुमार ने 2013 में आईपीएल सट्टेबाजी मामले में प्रारंभिक जांच की और बाद में उन्हें इस मामले की जांच से हटा दिया गया था। उन्हें रिश्वत के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था।निचली अदालत ने 2019 में ठोस सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए कुमार को आरोपों से बरी कर दिया था। अदालत के समक्ष कुमार ने दावा किया था कि मैच फिक्सिंग घोटाले का पर्दाफाश करने के कारण उन्हें फंसाया गया था।

ऑस्ट्रेलिया की ञ20 टीम का ऐलान, T20 वर्ल्ड कप में कौन होगा कप्तान? इस पर संशय बरकरार

नई दिल्ली.एजेंसी

फरवरी के आखिर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का ऐलान हो गया है। इस टी20 सीरीज के जरिए टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारी करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कई प्रमुख खिलाड़ियों को वापस बुलाकर इस साल के आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि टी20 विश्व कप में कप्तान कौन होगा, क्योंकि इस सीरीज के लिए फिर से मिचेल मार्श को कप्तान चुना गया है।

तीन मैचों की सीरीज संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में खेले जाने वाले 20 ओवर के विश्व कप से पहले अंतिम द्विपक्षीय सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंदियों के खिलाफ लड़ाई के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की एक चौकड़ी को वापस बुला लिया है। तेज गेंदबाज पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की मंगलवार को घोषित 15 खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है, जबकि आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के हीरो ट्रैविस हेड और उनके साथी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी टी20 टीम में वापस आए हैं। कमिंस के शामिल होने के बावजूद ऑलराउंडर मिचेल मार्श टीम की कमानी करेंगे, ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड सीरीज के समापन पर यह फैसला करेगी कि टी20 विश्व कप में उनकी टीम का कप्तान कौन होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर आगामी तीन मैचों और न्यूजीलैंड में तीन और मैचों के साथ मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को पता है कि टी20 विश्व कप में उनकी टीम कैसी होगी, इसकी योजना बनाना शुरू करने का यह सही समय है।

बेली ने कहा, ट्रैविस, पैट, मिचेल और स्टीव वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के बाद टीम में फिर से शामिल हो गए हैं। जेसन बेहरेनडॉर्फ और सीन एबॉट आगामी टी20 खेलने वालों में स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल है। अगले छह मैच हमें यह तय करने का अवसर देंगे कि हम क्या सोचते हैं कि हमारी विश्व कप टीम कैसी होगी और उसमें संभावित भूमिकाएं क्या होंगी। हम विश्व कप से ठीक पहले आईपीएल में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने का भी पूरा उपयोग करेंगे।

हेड कोच राहुल द्रविड़ का दावा- क्यूरेटर पिच बनाते हैं, हम रैंक टर्नर के लिए...

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय टीम की अक्सर आलोचना होती है कि वे होम कंडीशन्स में रैंक टर्नर चाहते हैं, जिससे कि विपक्षी टीम पर दबाव आए। हालांकि, राहुल द्रविड़ ने कहा है कि वे इस तरह की कोई डिमांड नहीं करते। क्यूरेटर के हाथ में होता है कि उसे किस तरह की पिच बनानी है। पहले टेस्ट मैच में दोनों टीमों को एक तरह से रैंक टर्नर मिली थी, जहां भारत को करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, विशाखापट्टनम की पिच थोड़ी अलग थी। इसी को लेकर हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दूसरे टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्यूरेटर पिच बनाते हैं। हम रैंक टर्नर नहीं मांगते, जाहिर तौर पर भारत में ट्रैक से टर्न प्राप्त होगा। इस पर कितना गेंद घूमेगा, कितना कम

घूमेगा - मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं। भारत में 4 या 5 दिन में विकेट उखड़ जाते हैं और टर्न मिलता है। विशाखापट्टनम में सोमवार को समाप्त हुए मैच के चौथे दिन बहुत कम टर्न स्पिनर्स को मिला, लेकिन कई मौकों पर गेंद ऊपर या नीचे जरूर रही। इस सीरीज के दो मैच शानदार रहे हैं और आने वाले मैचों में भी इसी तरह की पिच इंग्लैंड चाहेगी। राहुल द्रविड़ ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वे भी रैंक टर्नर नहीं चाहते। हालांकि, भारत में जिस मिट्टी से पिच बनाई जाती हैं तो वह तीसरे, चौथे और पांचवें दिन उखड़ने लगती है तो ऐसे में स्पिनर्स को मदद मिलती है। हालांकि, कभी-कभार ये भी देखने को मिलता है कि पहले दिन से ही स्पिनरों को मदद मिलती है और मैच तीन या दो दिन में ही खत्म हो जाता है।

वेस्टइंडीज क्रिकेटर के साथ टीम होटल के बाहर हुई दिल दहला देने वाली घटना, गन पॉइंट पर छीना फोन और बैग

नई दिल्ली.एजेंसी

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर फैबियन एलन हाल ही में जोहानिसबर्ग में लूटपाट के शिकार हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हथियारों से लैस लुटेरों ने गन पॉइंट पर उनके साथ लूटपाट की और उनका फोन और बैग छीन ले गए। जमैका के 28 वर्षीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में जारी टी20 लीग में खेल रहे हैं उन्हें टीम होटल के बाहर निशाना बनाया गया।

बाल-बाल बचे क्रिकेटर

रिपोर्ट्स के मुताबिक, SA20 लीग में पार्ल रॉयल्स फ्रेंचाइजी की टीम का हिस्सा फैबियन के साथ यह घटना सैंडटन सन होटल के बाहर हुई। लुटेरों ने उन्हें रोका और जबरन उनका निजी सामान छीन लिया। इस घटना ने दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस घटना के दौरान ऑलराउंडर को शारीरिक तौर पर कोई क्षति नहीं पहुंची। वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

वहीं, दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग और क्रिकेट वेस्टइंडीज से जुड़े सूत्रों ने भी इस घटना की पुष्टि की है।क्रिकेट वेस्टइंडीज के एक शीर्ष अधिकारी ने एक क्रिकेट वेबसाइट इस घटना का जिक्र करते हुए बताया कि मुख्य कोच आंद्रे कोली ने फैबियन एलन से संपर्क किया है। अधिकारी ने कहा, हमारे मुख्य कोच आंद्रे कोली, जो जमैका के ही रहने वाले हैं, ने फैबियन से संपर्क किया। ओबेड मैकॉय (वेस्टइंडीज के एक अन्य खिलाड़ी) के माध्यम से सफलतापूर्वक संपर्क स्थापित किया गया। वह ठीक हैं।

10 फरवरी को खेला जाएगा फाइनल

एलन के साथ हुई इस घटना के विषय में पार्ल रॉयल्स फ्रेंचाइजी की तरफ से अब तक कोई बयान नहीं दिया गया है।

क्यों रोहित शर्मा से छिनी मुंबई इंडियंस की कप्तानी? हेड कोच मार्क बाउचर ने किया एक्सप्लेन

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी टीम में बड़े बदलाव देखने को मिले। आईपीएल 2024 मिनी ऑक्शन से पहले मुंबई इंडियंस ने ऑल कैश डील के साथ गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या की अपनी टीम में वापसी कराई। हार्दिक पांड्या ने आईपीएल का करियर मुंबई इंडियंस के साथ ही शुरू किया था और 2021 तक वह मुंबई इंडियंस की ओर से ही खेलते थे। हार्दिक को मुंबई इंडियंस में वापस लाने के कुछ समय बाद ही उन्हें कप्तान भी नियुक्त कर दिया गया। इसके बाद से मुंबई इंडियंस टीम में फूट की भी खबरें आईं। टीम के सीनियर खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव की सोशल मीडिया पोस्ट से भी इस बात का अंदाजा लगाया कि मुंबई इंडियंस खेमे में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है। रोहित शर्मा को कमानी से हटाकर हार्दिक पांड्या को नया कप्तान नियुक्त करने का फैसला क्यों लिया गया, इसको लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से कोई स्पष्टीकरण भी नहीं आया था। मुंबई इंडियंस के हेड कोच मार्क बाउचर ने अब इस पर खुलकर बात की है।मार्क बाउचर ने स्मैश स्पोर्ट्स पॉडकास्ट पर कहा, मुझे लगता है यह पूरी तरह से क्रिकेटिंग फैसला था। हमने विंडो पीरियड देखा और हार्दिक पांड्या को खिलाड़ी के तौर पर वापसी कराने के बारे में सोचा। मेरे हिसाब से यह ट्रांजिशन फेज है, भारत में बहुत से लोग इस बात को समझते नहीं हैं, लोग थोड़े इमोशनल हो जाते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि आपको इमोशन को इससे दूर रखना होता है। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से क्रिकेटिंग फैसला था, मुझे लगता है कि इससे रोहित खिलाड़ी के तौर पर अपना बेस्ट दे पाएंगे। वह मैदान पर जाएं और कुछ बड़े स्कोर टीम के लिए बनाएं।

मोहम्मद शमी का पाकिस्तान को दो टूक जवाब- किसी में दम नहीं जो मुझे सजदा करने से रोक सके

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। पाकिस्तान के लोगों ने शमी के सजदा करने पर सवाल उठाए थे। वर्ल्ड कप 2023 के दौरान ऐसा हुआ था, लेकिन मोहम्मद शमी ने कहा है कि किसी में इतना दम नहीं है, जो उन्हें सजदा करने से रोक सके। उन्होंने ये भी कहा कि उन्होंने सबसे ज्यादा पाकिस्तान को धोया है। मोहम्मद शमी ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल को लेकर भी बात की।

मोहम्मद शमी से न्यूज18 के शो में पूछा गया कि पाकिस्तान में अपके सजदा करने को लेकर सवाल उठाए गए। इस पर उन्होंने कहा, मैंने सबसे ज्यादा पाकिस्तानियों को धोया है। किसी में दम है जो मुझे सजदा करने से रोक सके। मैंने ग्राउंड पर तो कभी किया ही नहीं सजदा। मैंने पांच विकेट पहले भी लिए हैं, लेकिन कभी सजदा नहीं किया। मैं इंडिया का हूं फक्र से कहता हूं। मैं मुस्लिम हूं ये भी मैं फक्र से कहता हूं।इसी शो में मोहम्मद शमी ने आगे कहा, वर्ल्ड कप में जो परफॉर्म किया है उस पर सब बात करते हैं, लेकिन 2013-2014 से हमने ये जर्नी स्टार्ट की। ऐसा लग रहा है हमने अच्छा प्लेटफॉर्म सेट किया। मुझे लगता है कि बीते साल-आठ सालों में हमने हर कंट्री को उसके घर में मारा है। वर्ल्ड कप 2023 में भी हम अच्छा खेले, लेकिन फाइनल में नहीं जीत पाए, जिसका दुख था। हर कोई अब तेज गेंदबाजों की बात करता है।मोहम्मद शमी ने आगे अपनी बेटी को लेकर बताया, मेरी उससे कभी-कभी बात होती है, जितनी वो करने देती है। मिलने तो आज तक नहीं दिया गया। मैं बस यही चाहता हूं कि उसकी पढ़ाई अच्छी रहे, उसकी लाइफ अच्छी रहे और उसकी हेल्थ अच्छी रहे। हम दोनों के बीच जो चल रहा है, उसका असर बच्ची पर नहीं आए।

इंडिया से कहां मात खाया इंग्लैंड? पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने सीरीज में आगे के लिए किया आगाह

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि इंग्लैंड बैटर दूसरे टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह के सामने सरेंडर कर बैठे थे। नासिर ने कहा कि कई बार विरोधी टीम के खेल की तारीफ करना अहम होता है।

लंदन.एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह की जादुई स्पैल ने बड़ा अंतर पैदा किया, जिसका इंग्लैंड टीम के बैटर्स के पास कोई जवाब नहीं था। सभी फॉर्मेट में भारत के पसंदीदा गेंदबाज बुमराह के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने 106 रन की जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में शानदार वापसी की। उन्होंने ने इंग्लैंड की पहली पारी में रिवर्स स्विंग का शानदार नजारा पेश करते हुए छह विकेट चटकाए। इसके बाद दूसरी पारी में उन्हें तीन सफलता मिली। बुमराह ने इस मैच में 91 रन देकर नौ विकेट लिए।

हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स के अपने कॉलम में लिखा,मुझे लगता है कि दोनों टीमों के बीच में बुमराह की जादुई गेंदबाजी ने बड़ा अंतर पैदा किया था। उन्हें सोमवार को तीन विकेट मिले, लेकिन पहली पारी में उन्होंने अविश्वसनीय स्पैल डाल कर 45 रन पर छह विकेट लिए थे। इससे इंग्लैंड की टीम सपाट पिच पर 253 रन पर आउट हो गई। विशाखापट्टनम में भारत की जीत में बुमराह की गेंदबाजी और युवा यशस्वी जयसवाल (209 रन) का पहली पारी में दोहरा शतक अहम थे। हुसैन का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के पास बुमराह की इस गेंदबाजी का कोई जवाब नहीं था।

उन्होंने कहा, कभी-कभी आप अपनी टीम के प्रति आलोचनात्मक हो सकते हैं, अपने प्रदर्शन को देखकर कह सकते हैं, हम इससे बेहतर क्या कर सकते थे लेकिन कभी-कभी आपको प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करना पड़ता है और कहना पड़ता है कि उनकी प्रतिभा ने उन्हें प्रभावित किया है। हुसैन ने कहा, बिल्कुल वैसा ही हुआ। इंग्लैंड की पहली पारी में बुमराह का वह स्पैल शानदार था। रिवर्स स्विंग, अपने थोड़े अपरंपरागत एक्शन के साथ और जिस तरह से वह ऑफ साइड की ओर झुकते हैं उससे अच्छा एंगल बनता है।

इंग्लैंड की पहली पारी में शानदार लय में में चल रहे ओली पोप को यॉर्कर से चकमा देने से पहले पहले बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में आठवीं बार जो रूट को आउट किया था। हुसैन ने कहा, वह इस समय जो रूट पर हावी है। उसने उसे टेस्ट क्रिकेट में उसे आठ बार आउट किया है।

31 ओवर के अंदर ही खत्म हो गया ODI मैच, ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज की बजा डाली बैंड

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा वनडे इंटरनेशनल मैच आठ विकेट से अपने नाम किया, लेकिन यह महज 31 ओवर में खत्म हो गया।

नई दिल्ली.एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज में क्लीनस्वीप कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का आखिरी वनडे इंटरनेशनल मैच आठ विकेट से अपने नाम किया, लेकिन यह मैच महज 31 ओवर में ही खत्म हो गया। वेस्टइंडीज की पारी 24.1 ओवर में ही सिमट गई और ऑस्ट्रेलिया 6.5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस सीरीज के दौरान जेवियर बार्टलेट ने डेब्यू किया था। जेवियर ने इस सीरीज में दो ही मैच खेले, लेकिन दोनों मैचों में अपनी गेंदबाजी से सनसनी मचा दी। जेवियर बार्टलेट को मैन ऑफ द मैच के साथ-साथ मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। तीसरे वनडे इंटरनेशनल मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला लिया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज को 24.1 ओवर में 86 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। एलिक एथानेज ने वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रनों का योगदान दिया, उन्होंने 32 रनों की पारी खेली, लेकिन उनके अलावा और कोई बैटर 12 रनों के स्कोर से भी आगे नहीं गया। रेस्टन चेज ने 12, जबकि कीसी कार्टी ने 10 रन बनाए। तीन कैरेबियाई बैटर बिना खाता खोले ही आउट हो गए। जेवियर बार्टलेट ने चार विकेट चटकाए। वहीं लांस मोरिस और एडम जाम्पा ने दो-दो विकेट चटकाए।सीन एबट ने एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने 6.5 ओवर में ही 87 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस तरह से यह वनडे इंटरनेशनल मैच तो टी20 इंटरनेशनल मैच से भी छोटा हो गया। जैक फ्रेजर-मैकगर्क और जोश इंग्लिस ने मिलकर 4.3 ओवर में ही 67 रन बना लिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने जिस तरह की बैटिंग दिखाई वह शुरू से ही मैच को जल्द से जल्द खत्म करना चाहते थे। मैकगर्क ने तो महज 18 गेंदों पर 41 रन ठोक डाले थे। जोश इंग्लिस 16 गेंद पर 35 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 07 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

45 हजार रुपये जाली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी: बांग्लादेश से लायी गई 45 हजार रुपये जाली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्करों को उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने वाराणसी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों अंबेडकरनगर जिले के टांडा थाना क्षेत्र के चिंतौरा निवासी अंकुर मौर्य और विपिन गुप्ता उर्फ अवनीश ने पूछताछ में एटीएस टीम को बताया कि बांग्लादेश में छपी जाली भारतीय मुद्रा तस्करी के माध्यम से पश्चिम बंगाल लाई जाती है। पश्चिम बंगाल फरक्का से हमलोग जाली भारतीय मुद्रा लाकर प्रदेश के जिलों में पहुंचाते हैं। एटीएस के स्थानीय अफसरों के अनुसार गिरफ्तार दोनों तस्कर बेहद शातिर हैं जो पहले भी जेल जा चुके हैं। इस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले भी एटीएस की वाराणसी टीम ने बांग्लादेश से लायी गई 97500 रुपये जाली भारतीय मुद्रा के साथ दो तस्करों को लालपुर के पास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार तस्करों प्रतापगढ़ बरहुआ भोजपुर (मांधाता) निवासी दीपक कुमार और आसी बाबू पट्टी (रानीगंज) निवासी चंदन कौशिक को एटीएस ने जेल भेज दिया। दोनों ने बताया था कि बांग्लादेश से जाली नोट प. बंगाल के सहयोगियों के माध्यम से फरक्का, मालदा के रास्ते उत्तर प्रदेश में लाते हैं।

शिमला के कुफरी और नारकंडा में फिर बर्फबारी

शिमला: हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को सुबह धूप खिलने के बाद मौसम के तेवर फिर बदल गए। राज्य की पर्वत श्रंखलाओं के अलावा कम उंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। शिमला के निकटवर्ती पर्यटन स्थलों कुफरी, फागू और नारकंडा में बाद दोपहर से बर्फ गिर रही है। इस ताजा बर्फबारी से सड़क पर फिसलन बढ़ गई और शिमला-रामपुर नेशनल हाईवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया है। चंबा, कुल्लू, किन्नौर व लाहौल-स्पीति जिलों में भी बर्फबारी हो रही है। वहीं राजधानी शिमला में भी आसमान पर घनघोर बादल छाए हुए हैं और यहां भी मौसम बर्फबारी के अनुकूल बना हुआ है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले छह दिन बारिश-बर्फबारी की संभावना से इंकार किया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने से आगामी 12 फरवरी तक राज्य भर में मौसम साफ रहेगा। उन्होंने कहा कि बीते 24 घंटों के दौरान शिमला के खदराला में चार, चंबा के भरमौर में तीन, कुफरी में दो और गोंदला में एक सेंटमीटर बर्फबारी दर्ज की गई है। प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। बर्फबारी का परिवहन व बिजली आपूर्ति पर खासा असर देखा जा रहा है। पिछले छह दिन से चार नेशनल हाईवे बंद पड़े हैं। इनकी अगले कुछ दिनों तक भी बहाल होने की उम्मीद नहीं है।

अयोध्या दर्शन के लिए जाएंगे यूपी के विधायक

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे

रामलला के दर पर

8 विधायक बस से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। इसकी जानकारी यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

11 फरवरी को यूपी के सभी विधायक और मंत्री अयोध्या दर्शन के लिए जाएंगे। विधायक बस से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। इसकी जानकारी यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी। उन्होंने कहा कि वह खुद भी बस से ही जाएंगे। अयोध्या दर्शन के लिए सपा सहित अन्य विपक्षी दलों के विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। विधायक अपनी पत्नी को भी साथ ले जा सकते हैं। एनडीए में शामिल भाजपा, सुभासपा, निषाद पार्टी और अपना दल के विधायक अयोध्या दौरे पर जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने जब अयोध्या दर्शन के कार्यक्रम का एलान किया तो सपा विधायक इकबाल महमूद ने अयोध्या में बनने वाली मस्जिद की जमीन देखने का भी अनुरोध किया। जिस पर अध्यक्ष ने जवाब दिया कि पहले मस्जिद बन जाने दीजिए और वहां की कमेटी अनुरोध करेगी तो जाने के लिए विचार करेंगे। इसके पहले कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया था पर राज्य यूनिट के नेताओं ने अयोध्या जाकर सरयू स्नान किया और रामलला के दर्शन किए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अयोध्या जाने की बात कही थी लेकिन वह 11 फरवरी को जाएंगे यह स्पष्ट नहीं हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद लाखों की संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं और भव्य मंदिर में रामलला के दर्शन कर रहे हैं। 5 फरवरी को यूपी विधानसभा में पेश किए गए बजट को भी योगी सरकार ने भगवान श्रीराम को समर्पित बताया था। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सिर्फ कुछ अतिथियों को ही आने की अनुमति थी बाकी लोगों से अपील की गई थी कि बाद में आएं।

ईवी उपयोग पोर्टल' कई खूबियों से होगा लैस

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) के प्रयोग व विनिर्माण को प्रश्रय दे रही योगी सरकार अब ईवी उपयोग पोर्टल को कई खूबियों से लैस करने पर फोकस कर रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुसार, ईवी उपयोग पोर्टल को क्लाउड सर्वर पर होस्ट करने और इनवेस्ट यूपी की ऑफिशियल वेबसाइट से इंटीग्रेट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेशन लिमिटेड ने इस प्रक्रिया को प्रारंभ करते हुए एक वर्ष के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट एजेंसी को कार्यभार सौंपे जाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि क्लाउड सर्वर एक पूल बेस्ड सेंट्रलाइज्ड सर्वर प्रोवाइडर है जिसे एक नेटवर्क (आमतौर पर इंटरनेट) पर होस्ट और वितरित किया जाता है। इसकी कई विशेषताओं में से एक खास विशेषता यह भी है कि इस प्रक्रिया को लागू करने के बाद इस सर्वर नेटवर्क को कई उपयोगकताओं द्वारा मांग के अनुसार एक्सेस किया जा सकेगा। क्लाउड सर्वर दुनिया में कहीं भी स्थित हो सकते हैं और क्लाउड कंप्यूटिंग के जरिए रिमोट एक्सेस से उपयोग में लाया जा सकता है।

दिल्ली में किसान आंदोलन की तैयारी को लेकर सोनीपत में ट्रैक्टर मार्च

मार्च की तैयारी

8 भारतीय किसान नौजवान यूनियन की तरफ से खरखौदा में ट्रैक्टरों के साथ रिहर्सल किया

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत

सोनीपत में दिल्ली में किसान आंदोलन की तैयारी को लेकर मंगलवार को भारतीय किसान नौजवान यूनियन की तरफ से खरखौदा में ट्रैक्टरों के साथ रिहर्सल किया और मार्च निकाला। किसान संगठन 13 फरवरी को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए कूच करेंगे। किसान संगठनों ने स्पष्ट किया है कि सरकार ने 13 फरवरी तक उनकी मांगें पूरी नहीं की तो वह हर हालात में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। जिसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। देश में एक बार फिर किसान आंदोलन की सुगबुगहाट तेज हो गई है। 13 फरवरी को किसान संगठन ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली के जंतर मंतर पर कूच करेंगे। किसानों ने इसके लिए रिहर्सल शुरू कर दी है। किसान संगठनों का कहना है कि हरियाणा में प्रवेश के लिए पंजाब के तीनों बॉर्डर को चुना गया है।

जमीन की रजिस्ट्री के लिए एनओसी की शर्त खत्म

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

पंजाब राज्य के लोगों को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने किसी भी किस्म की जमीन जायदाद की रजिस्ट्रेशन के लिए कोई नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) की शर्त खत्म करने का फैसला किया है। इस संबंधी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह फैसला बड़े जनहित में लिया गया है जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि लोगों को किसी भी किस्म की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि इस फैसले के लिए कानूनी प्रक्रिया को पहले ही जांच लिया गया है और इसके बारे अन्य विवरण जल्दी सांझा किए जाएंगे। मान ने कहा कि यह फैसला आम लोगों सलाह के बाद लिया गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में एनओसी की उपब्लधता न होने की सूरत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस कारण जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में रुकावट पैदा होती है जिससे आम व्यक्ति को मुश्किलें आती हैं।

यूसीसी को लेकर अलर्ट, पुलिस फोर्स के साथ मौके पर एसएसपी तैनात

हल्द्वानी: विधानसभा सत्र में आज यूसीसी बिल को सदन के पटल पर रखा गया है। ऐसे में पूरे राज्य भर में सभी संवेदनशील जगहों पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। हल्द्वानी में भी समुदाय विशेष वाले क्षेत्रों में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है ताकि किसी भी तरीके की अप्रिय घटना ना हो सके, बनभूलपुरा से लेकर जवाहर नगर तक लगातार फोर्स का मूवमेंट हो रहा है। एसएसपी प्रहलाद मीणा खुद मौका मुआयना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गयी है।

मलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यगण पहुंचे। संकटमोचन हनुमान के दिन मंगलवार को श्रीरामलला के दर्शन कर पूरा मंत्रिमंडल भावविभोर हो गया। अरुणाचल प्रदेश का पहला राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल है, जिसने प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत श्रीरामलला का दर्शन-पूजन किया।

जम्मू-कश्मीर में निकायों और पंचायतों में ओबीसी को आरक्षण

टीम एक्शन इंडिया/जम्मू

लोकसभा ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण प्रदान करने के लिए विधेयक पारित कर दिया गया। सरकार ने कहा कि 2019 अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से केंद्र शासित प्रदेश में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय कानून (संशोधन) विधेयक-2024 पर एक संक्षिप्त बहस का जवाब देते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास का लाभ उठाना शुरू कर दिया है। वर्तमान में, जम्मू और कश्मीर में पंचायतों और नगर पालिकाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सीटों के आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। विधेयक का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में पंचायतों और नगर पालिकाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान करना और संविधान के प्रावधानों के साथ केंद्र शासित प्रदेश के स्थानीय निकाय कानूनों में स्थिरता लाना है। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण के अनुसार, "इससे आजादी के 75 साल बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को न्याय सुनिश्चित होगा।" लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के अपने जवाब में, राय ने कहा कि उन्होंने सरकार से जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने और राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय सीमा बताने की विपक्ष की मांग का कोई संदर्भ नहीं दिया।

विधेयक पारित

8 2019 अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से केंद्र शासित प्रदेश में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं

पहाड़ियों को एसटी के दर्जे का विरोध

टीम एक्शन इंडिया/जम्मू

जम्मू विश्वविद्यालय में मंगलवार दोपहर को उस समय असमंजस की स्थिति बन गई जब एकाएक सभी प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया गया। वहीं, मुख्य प्रवेशद्वार पर कुछ छात्र प्रदर्शन करते हुए दिखे। इस दौरान किसी आवाजाही पर रोक लगा दी गई। प्रवेशद्वार के बाहर पुलिस की तैनात रही। प्रदर्शनकारी छात्रों ने जमकर केंद्र सरकार और राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बताया कि वे पहाड़ी समेत कुछ अन्य समुदायों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं। प्रवेशद्वार बंद

होने के चलते विवि की अंदर और बाहर पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। एक तरफ छात्रों के नारेबाजी तो दूसरी तरफ अन्य छात्र आवाजाही को सूचारू करने की मांग करते रहे। करीब एक घंटे के बाद विवि प्रशासन ने पिछले प्रवेशद्वार को खोलने का फैसला किया, जिसके बाद विश्वविद्यालय में आवाजाही शुरू हुई। उधर, प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने सरकार, विवि प्रशासन और पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे पहाड़ियों को असंवैधानिक तरीके से दिए जा रहे एसटी स्टेटस का विरोध कर रहे हैं। यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनकारी एक छात्र ने कहा कि भाषा के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं किया जा सकता है। पहाड़ी बोलने वालों में ऊंची जाति के लोग भी हैं। जो योग्य नहीं हैं उन्हें आरक्षण देना गलत है।

'जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा विस्तार की योजना होगी क्रियान्वित'

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 फरवरी को झाबुआ पधार रहे हैं। प्रदेश सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में विकास और जन कल्याण के जो कार्य किए हैं, उन्हें आजादी के अमृत काल में वृहत्तर स्वरूप में आरंभ करने का संकल्प लेने के लिए वहां भव्य आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लेखानुदान भी आने वाला है, जिसके माध्यम से हम भविष्य का रोड मैप तय करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में आयुर्वेदिक-होम्योपैथी-नेचुरोपैथी चिकित्सा सुविधा के विस्तार के संबंध में जो दिशा निर्देश दिए गए हैं, उनके अनुरूप आयुष विभाग के माध्यम से योजना क्रियान्वित की जाएगी।

दवा फैक्टरी के गोदाम में लगी आग... मची अफरातफरी

आगरा: उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे दवा फैक्टरी के गोदाम में आग लग गई। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। आग की लपटें देख लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना सिकंदरा थाना क्षेत्र के शास्त्रीपुरम इंडस्ट्रियल एरिया की है। यहां सेफकॉन दवा बनाने की फैक्टरी के गोदाम आग लग गई।

'प्रदेश भर के शेष नर्सिंग कॉलेजों की भी होगी सीबीआई जांच'

टीम एक्शन इंडिया/जबलपुर

मप्र हाईकोर्ट में लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की नर्सिंग फजीर्वाड़े से जुड़ी जनहित याचिका के साथ लगभग 50 मामलों की जस्टिस संजय द्विवेदी एवं जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की स्पेशल बेंच में एक साथ सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने आवेदन प्रस्तुत कर कोर्ट को बताया कि अभी मात्र 364 नर्सिंग कॉलेज की जांच सीबीआई द्वारा की गई है जबकि पिछले 3 सालों में लगभग 700 से अधिक नर्सिंग कॉलेज मध्य प्रदेश में खुले हैं और नए खोले गए कॉलेज भी मापदंडों को पूरे नहीं करते हैं इसके उदाहरण भी याचिकाकर्ता ने पेश कर

बचे हुए उन कॉलेजों की जांच की मांग करते हुए सत्र 2022-23 में नए खुले फर्जी नर्सिंग कॉलेजों के फोटो भी पेश किए, जिस पर हाई कोर्ट ने नाराजगी और आश्चर्य व्यक्त करते हुए सरकार से अपात्र कॉलेजो को मान्यता देने वालों पर कार्रवाई करने और याचिकाकर्ता के आवेदन पर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है, हाई कोर्ट ने मौखिक रूप से यह भी टिप्पणी की है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो हाईकोर्ट स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का आकलन करेगा। राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने आवेदन पेश कर सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए कॉलेजो के छात्रों को अन्यत्र शिफ्टिंग करने तथा जिन कॉलेजों में छोटी मोटी कमियां पाई गई है उनमें कमीपूर्ति का समय देने एवं अत्यधिक कमी वाले संस्थानों को बंद करने संबंधी अनुशंसा करने एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने का प्रस्ताव दिया।

आदेश

8 पिछले 3 सालों में लगभग 700 से अधिक नर्सिंग कॉलेज मध्य प्रदेश में खुले है: याचिकाकर्ता

कैबिनेट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण योजना रहेगी जारी

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरन्तर रखने की स्वीकृति दी हैं। सहकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को फसल ऋण प्रदान किया जायेगा।

इस योजना में खरीफ 2023 सीजन की ड्यूडेट 28 मार्च, 2024 तथा रबी 2023-24

सीजन की ड्यूडेट 15 जून 2024 रखी गयी है। राज्य शासन ने योजना के अन्तर्गत फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों को 1.5 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान तथा खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित ड्यूडेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप (अतिरिक्त ब्याज अनुदान) दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश संकल्प पत्र 2023 में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण प्रदाय करने का राज्य सरकार का संकल्प है।

स्वीकृति

8 चाइल्ड हेल्प लाइन के सुचारू और कुशल संचालन के लिए विभागीय आदेश में संशोधन की स्वीकृति दी

प्रदेश में जिला स्तर पर चाइल्ड हेल्प लाइन के संचालन की स्वीकृति: मंत्रि-परिषद द्वारा मिशन वात्सल्य में चाइल्ड हेल्प लाइन के सुचारू और कुशल संचालन के लिए विभागीय आदेश में संशोधन की स्वीकृति दी गयी। संशोधन के अनुसार जिला स्तर पर जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा एक हेल्पलाईन यूनिट का संचालन किया जायेगा। इस कार्य के लिए मानव संसाधन का चयन भारत सरकार द्वारा निर्धारित अर्हता अनुसार विज्ञापन जारी कर पारदर्शी प्रक्रिया से किया जायेगा।

अनूपपुर: उमा भारती पहुंची अमरकंटक, राहुल और दिग्विजय पर साधा निशाना

टीम एक्शन इंडिया/अनूपपुर

मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती दो दिवसीय अमरकंटक के प्रवास पर मंगलवार को मां नर्मदा मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और मंदिर परिसर में स्थित अन्य मंदिरों के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने अमरकंटक और नर्मदा को लेकर कहा कि कहा कि नर्मदा जी का काम संपूर्णता के साथ जैसा होना चाहिए, वैसा नहीं हो पाता है। क्योंकि, इसमें विभिन्न जिले और राज्य भी शामिल हो जाते है। इसलिए कठिनाई आती है। जब तक सभी एक साथ मिलकर कलेक्टिव डिसीजन नहीं लेंगे तब तक यहां का विकास

सम्भव नही है। इसके लिए एक कोऑर्डिनेटर बनाने की जरूरत है। ज्ञात हो कि सोमवार की शाम पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अमरकंटक में रात 9 बजे नर्मदा मंदिर पहुंच मॉ नर्मदा मंदिर में दर्शन पश्चात आरती कर माथा टेका। मंदिर प्रांगण में कुछ समय बैठ कर व्यतीत की। नर्मदा मंदिर पुजारी परिवार ने भी कुछ अपनी समस्याओं को भी उनके सामने रख सुलझाने की बाते रखी। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को कल्याण सेवा आश्रम द्वारा नर्मदा मंदिर में मॉ नर्मदा और माता पार्वती हेतु भेंट किये गये स्वरर्ण अभूषण द्वारा किये गये श्रृंगार को निहारा।